आशावाद एक ऐसा गुण है जो सफलता और खुशी के साथ किसी भी अन्य गुण से अधिक जुड़ा हुआ है।

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित | भोपाल, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | वर्ष-35 अंक - 176 पृष्ठ -08 मूल्य 3 रुपए

ब्रीफ न्यूज

भारत बंद का रहा मिला-जुला असर

नई दिल्ली। भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते और नए लेबर कोड को लेकर उपजा विवाद अब सड़कों पर उतर आया है। विपक्षी दलों, केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और विभिन्न किसान संगठनों की ओर से गुरुवार को बुलाए गए %भारत बंद% का असर देश के कई हिस्सों में देखा जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि यह समझौता भारतीय कृषि और स्थानीय व्यापार के हितों के खिलाफ है। विपक्षी दलों और किसान संगठनों की केन्द्र सरकार से श्रम कोड, बिजली बिल-2025, बीज बिल और वीबी-जी-राम-जी एक्ट, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, न्यूनतम वेतन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की वापसी सहित अन्य मांगे शामिल हैं।

कुल्लू जिला के बिजली महादेव में रोपवे परियोजना का निर्माण कार्य बंद: नितिन गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय स?क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मन्त्री नितिन गडकरी ने बताया कि कुल्लू जिला के बिजली महादेव में कार्यरत रोपवे परियोजना का निर्माण कार्य स्थानीय नागरिकों के विरोध और प्रदर्शनकारियों द्वारा रोपवे पर कार्यरत कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार की बजह से जुलाई 2025 से बंद कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्योंकि स्थानीय नागरिक सांस्कृतिक, ऐतिहासिक कारणों का हवाला देकर इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने राज्य सभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में संसद में बताया कि 272 करो? रूपये लागत की इस परियोजना का निर्माण कार्य हाइब्रिड एन्युटी मोड के माध्यम से अवार्ड किया गया है तथा इस परियोजना की फारेस्ट क्लीयरेंस प्रदान की जा चुकी है।

एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रस्ताव संविधान के अनुरूप: बीआर गवई

नई दिल्ली। एक राष्ट्, एक चुनाव को लेकर गठित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की गुरुवार को हुई बैठक में पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि %एक राष्ट्, एक चुनाव% का प्रस्ताव संविधान के अनुरूप है और यह मूल ढांचे का उल्लंघन नहीं करता। उन्होंने कहा कि संसद को संविधान में संशोधन करने का अधिकार है और यह उसका विशेषाधिकार है। इसमें लोकतंत्र या संघीय ढांचे का कोई उल्लंघन नहीं है।

निपाह वायरस से देश में पहली मौत, पश्चिम बंगाल में 25 साल की नर्स ने तोड़ा दम

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस से संक्रमित दो मरीजों में से एक मरीज की मौत हो गई है। देश में इस साल निपाह वायरस से यह पहली मौत है। गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्रालय ने मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि 11 जनवरी 2026 को पश्चिम बंगाल से रिपोर्ट किए गए निपाह संक्रमण के दो पॉजिटिव मामलों में से एक नर्स, जो गंभीर रूप से बीमार थीं और अस्पताल में गहन चिकित्सा देखभाल के तहत भर्ती थीं। 25 साल की महिला नर्स का बुधवार को उपचार के दौरान हृदयगति रुकने से निधन हो गया।

जयंत चौधरी ने अमरोहा में 2400 से ज्यादा युवाओं को दिए नियुक्ति पत्र

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने गुरुवार को कौशल विकास महोत्सव में 2400 से ज्यादा अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए।

केंद्रीय कौशल विकास मंत्रालय ने बताया कि यहां आयोजित कौशल महोत्सव में लगभग 4 हजार युवाओं ने साक्षात्कार दिया। इनमें से 2,400 से अधिक को नौकरी का ऑफर दिया गया। इस महोत्सव में वाहन उद्योग, परिवहन एवं आपूर्ति प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, बैंकिंग सेवा, विनिर्माण उद्योग, खुदरा और सर्विस सेक्टर से जुड़ी 55 से ज्यादा कंपनियों ने हिस्सा लिया।

जयंत चौधरी ने कहा कि मेरे पिता और पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजीत सिंह की जयंती पर यह आयोजन ग्रामीण भारत और युवाओं की ताकत को सम्मानित किया गया है। अमरोहा के युवाओं में अपार क्षमता है। ऐसे कार्यक्रम प्रतिभा और अवसर के बीच की दूरी को कम करते हैं।

प्रधानमंत्री से मिले केरल के भाजपा जनप्रतिनिधि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को अपने आधिकारिक आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर केरल के नवनिर्वाचित भाजपा पंचायत सदस्यों, नगर पालिका सदस्यों और निगम पार्षदों से मुलाकात की। इस अवसर पर उन्होंने जनप्रतिनिधियों को बधाई देते हुए सेवा, सुशासन और विकास के प्रति समर्पण का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष तथा केरल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्य ही विकास की मजबूत नींव रखता है।

भाजपा ने इस मुलाकात का वीडियो साझा करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि केरल में बदलाव की शुरुआत वार्ड स्तर से हो रही है और पार्टी के जनप्रतिनिधि विकास की राजनीति को आगे बढ़ा रहे हैं।

राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों को नई ऊर्जा मिली है तथा पार्टी सबका साथ सबका विकास और प्रदर्शन आधारित राजनीति को राज्य के प्रत्येक वार्ड और पंचायत तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उल्लेखनीय है कि केरल के तिरुवनंतपुरम नगर निगम सहित विभिन्न स्थानीय निकायों के लगभग 120 भाजपा जनप्रतिनिधि तीन दिवसीय प्रशासनिक एवं सुशासन कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए दिल्ली आए हुए हैं। इस दौरान उन्होंने संसद भवन का भ्रमण किया और बजट सत्र की कार्यवाही देखी। प्रतिनिधिमंडल ने गृहमंत्री अमित शाह, राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी मुलाकात की।

तिरुवनंतपुरम के मेयर वीवी राजेश ने बताया कि दौरे के दौरान केंद्र सरकार की योजनाओं के बेहतर समन्वय और राज्य के विकास कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित विशेष प्रशिक्षण सत्रों में भी भाग लिया।

केरल से आए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि प्रधानमंत्री से प्राप्त मार्गदर्शन राज्य में विकास और सुशासन की दिशा में उनके प्रयासों को और सशक्त करेगा।

दूरदर्शन की वरिष्ठ समाचार प्रस्तोता सरला माहेश्वरी का निधन

नई दिल्ली। दूरदर्शन की वरिष्ठ समाचार प्रस्तोता सरला माहेश्वरी का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं। वरिष्ठ समाचार वाचक और माहेश्वरी के मित्र शम्मी नारंग ने उनके निधन की पुष्टि की। नारंग ने एक्स पोस्ट में कहा कि 1980-1990 के दशक में घर-घर में पहचाने जाने वाला यह चेहरा (सरला माहेश्वरी) अब यादों में सिमट गया है। डीडीन्यूज ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर अपनी शोक संवेदना में कहा, अत्यंत वेदना और गहरे शोक के साथ हम सूचित करते हैं कि दूरदर्शन की सम्मानित और अत्यंत प्रिय समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का आज निधन हो गया।

भवन निर्माण में उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालीन कार्य योजना अपनाये: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि निर्माण सिर्फ ईंटङ्कपत्थर का संयोजन नहीं, एक अभिनव कला है। इसमें उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक कार्य योजना को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अब हर निर्माण कार्य में कन्सेप्चुअल और क्वालिटेटिव एप्रोच अनिवार्य रूप से दिखाई देना चाहिए। गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। प्रदेश के विकास के लिए हम सभी को पूरी क्षमता दक्षता से काम करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रवीन्द्र भवन में लोक निर्माण विभाग अन्तर्गत मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक निर्माण विभाग के तकनीकी अधिकारियों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अभियंताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैचारिक प्रतिबद्धता और कार्यशैली में जड़ता से बचने और बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को अद्यतन रखने के लिए कौशल संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। ऐसी कार्यशालाएं अभियंताओं की स्किल्स को रिफ्रेश करती हैं और उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों में दीर्घकालिक दृष्टि, नवाचार और पारदर्शिता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पीएम गतिशक्ति योजना के माध्यम से लोक निर्माण विभाग नवाचारों को धरातल पर उतार रहा है। वर्तमान समय में हमारे इंजीनियर्स साक्षात् भगवान विश्वकर्मा के अवतार हैं। लोक निर्माण विभाग ने पिछले 2 वर्षों के कार्यों के आधार पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है।

स्वायत्त एवं स्वतंत्र पशु चिकित्सा परिषद् की स्थापना समय की जरूरत : मोहन भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि पशु चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में स्वायत्त एवं स्वतंत्र पशु चिकित्सा परिषद् की स्थापना समय की आवश्यकता है।

महाराष्ट्र पशु एवं मत्स्य विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित आज एक कार्यक्रम में डॉ. भागवत ने कहा कि जिस कार्य का जो विशेषज्ञ होता है, वही उसे बेहतर ढंग से कर सकता है। जैसे खेल के क्षेत्र में खिलाड़ियों और प्रशिक्षित कोच की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार पशु विज्ञान जैसे जटिल क्षेत्र में संबंधित ज्ञान और अनुभव रखने वाले विशेषज्ञों को निर्णय लेने का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, विशिष्ट कार्य संबंधित विशेषज्ञों को ही सौंपा जाना चाहिए, अन्यथा कार्य प्रभावित हो सकता है।

पशुओं की गहन समझ तथा उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रभावी समाधान के लिए पशु चिकित्सकों और पशु चिकित्सा विज्ञान की भूमिका महत्वपूर्ण है, इस पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विशेषज्ञों का सहयोग सभी स्तरों पर प्राप्त होना आवश्यक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विचार केवल इसलिए नहीं रखा जा रहा है कि वे पशु चिकित्सक हैं, बल्कि यह अनुभव है कि जिन क्षेत्रों में योग्य और विशेषज्ञ व्यक्तियों को जिम्मेदारी दी जाती है, वे क्षेत्र तीव्र गति से प्रगति करते हैं। पशु चिकित्सा क्षेत्र में सुधार, सुदृढ़ नीति निर्माण तथा प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समर्पित और स्वतंत्र परिषद की स्थापना आवश्यक है। इसके माध्यम से पशु स्वास्थ्य सेवाओं, प्रबंधन संरचना और व्यावसायिक मानकों को अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाया जा सकता है।

औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक 2026 पर लगी संसद की मुहर

नई दिल्ली। 'औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026' को राज्यसभा ने भी गुरुवार को पारित कर दिया। इसके साथ राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह विधेयक आज ही लोक सभा में पारित किया जा चुका है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने राज्यसभा में औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को विचार और पास करने के लिए में पेश किया था। डा. मनसुख मांडविया ने सदन में विधेयक पर चर्चा के दौरान बताया कि इस विधेयक का मकसद इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड, 2020 में बदलाव करना है।

डा. मनसुख मांडविया ने सदन को बताया कि ट्रेड यूनियन अधिनियम 1926, औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम 1946 और औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 को मिला कर एक एक्ट बनाया गया था। उसमें कानूनी स्पष्टता के लिए ये अमेंडमेंट लाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार के पास किसी एक्ट को निरस्त करने का अधिकार है। लेकिन भविष्य में कोई मुद्दा न बने, इसलिए इस अधिनियम में यह संशोधन लाया गया है।

उन्होंने विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि कोई कहता है 12 घंटे काम करना होगा, 14 घंटे काम करना होगा। डा. मनसुख मांडविया ने कहा कि अरे भाई! 12 घंटे का सवाल ही नहीं है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के प्रस्ताव के मुताबिक सप्ताह में 48 घंटे की ही शिफ्ट होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले सरकार मिनिमम मजदूरी की एडवाइजरी जारी करती थी। उसे मानना या नहीं मानना राज्य के अधिकार में था।

केंद्र सरकार ने आंशिक रूप से चालू एक्सप्रेसवे पर टोल की दरों को घटाया, 15 फरवरी से लागू होंगे नए नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग टोल शुल्क नियमों में संशोधन कर आंशिक रूप चालू राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे में टोल टैक्स की दरों को घटा दिया है। नए प्रावधान के तहत यदि कोई एक्सप्रेसवे पूरी तरह से चालू नहीं है और केवल आंशिक रूप से खुला है, तो उस पर टोल शुल्क राष्ट्रीय राजमार्ग की दरों के अनुसार कम दर पर लिया जाएगा। संशोधित नियम 15 फरवरी से लागू होंगे।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, वर्तमान में एक्सप्रेसवे पर टोल शुल्क सामान्य राष्ट्रीय राजमार्गों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक लिया जाता है, क्योंकि ये नियंत्रित पहुंच वाले, तेज और सुगम यात्रा का अनुभव प्रदान करते हैं। लेकिन अब आंशिक रूप से चालू एक्सप्रेसवे पर यह शुल्क कम दर पर लिया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया कि इस संशोधन का उद्देश्य लोगों को खुले हुए हिस्सों पर यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों पर भीड़ कम होगी, लॉजिस्टिक्स और यात्रियों की आवाजाही तेज होगी और ट्रैफिक जाम से होने वाले प्रदूषण में कमी आएगी।

केंद्र सरकार ने हाल ही में इसके लिए राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दर निर्धारण और संग्रहण) (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित किया है।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री से की मुलाकात

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और कांग्रेस सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को यहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की।

रेवंत रेड्डी ने एक्स पर लिखा, मैं फरवरी के अंतिम सप्ताह में ईसा और मूसी नदियों के संगम पर आयोजित होने वाले गांधी सरोवर प्रोजेक्ट के शिलान्यास समारोह में उन्हें आमंत्रित करने के लिए यहां उनसे मिलने आया। मुलाकात के दौरान रक्षा मंत्री को उस क्षेत्र की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें याद दिलाया कि फरवरी 1948 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की अस्थियों का विसर्जन ईसा और मूसी नदियों के पावन संगम पर किया गया था। यह स्थान न केवल धार्मिक बल्कि राष्ट्रीय भावना का भी प्रतीक है। उन्होंने राजनाथ को बताया कि गांधी सरोवर प्रोजेक्ट मूसी रिवर जीर्णोद्धार प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर शुरू किया गया है। इसका लक्ष्य नदी के स्वरूप को पुनर्जीवित करना और पर्यावरण का संरक्षण करना है।

व्यापार समझौते से जुड़ा ताजा अमेरिकी तथ्य पत्र 'साझा समझ' के अनुरुप -विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को प्रस्तावित भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की रुपरेखा में भारत के अनुकूल हुए कुछ परिवर्तनों के बारे में कहा कि यह दोनों देशों के बीच बनी 'साझा समझ' के अनुरुप है। यह बदलाव दोनों देशों की ओर से जारी संयुक्त वक्तव्य को ही दर्शाते हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार पर एक अंतरिम समझौते के ढांचे पर भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य 7 फरवरी को जारी किया गया था। यह संयुक्त वक्तव्य ही मुख्य ढांचा है और मामले में हमारी आपसी समझ का आधार है। अब दोनों पक्ष इस ढांचे को लागू करने और अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने, अमेरिकी 'फैक्ट शीट' में किए गए संशोधन संयुक्त वक्तव्य में निहित साझा समझ को दर्शाते हैं।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने अपने पहले जारी 'तथ्य पत्र' में बदलाव करते हुए भारत को दालों के निर्यात का बिन्दु हटा दिया है। साथ ही भारत के 500 अरब डॉलर के माल आयात के संदर्भ में 'प्रतिबद्धता' शब्द को हटा कर उसके स्थान पर 'इरादा' कर दिया है।

भारत में दाल खरीद का मुद्दा संवेदनशील है और बड़ी मात्रा में अमेरिकी माल की खरीदारी पर प्रतिबद्धता को लेकर विपक्ष केन्द्र सरकार की आलोचना कर रहा था।

पटना सिविल कोर्ट को सातवीं बार मिली बम से उड़ाने की धमकी, टाउन डीएसपी ने की पुष्टि

पटना। पटना सिविल कोर्ट को गुरुवार सुबह ई-मेल से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद न्यायिक कामकाज को सुरक्षा कारणों से रोक दिया गया है। पूरे अदालत परिसर को खाली करवा कर तलाशी अभियान शुरू किया है। सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। हाल के दिनों में सातवीं बार पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है।

पुलिस ने एहतियात के तौर पर कोर्ट कॉम्प्लेक्स खाली करा लिया। न्यायिक कामकाज शुरू होने से पहले परिसर में सघन तलाशी अभियान शुरू किया है। टाउन डीएसपी राजेश रंजन ने कहा कि तलाशी अभियान चल रहा है। सिक्योरिटी चेक पूरा होने के बाद दोपहर में न्यायिक कामकाज शुरू होगा।

हालांकि उन्होंने ई-मेल के संबंध में जानकारी नहीं दी है पर कहा कि संदिग्धों का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। उन्होंने परिसर में उपस्थित सभी लोगों से शांत रहने की अपील की है। रंजन ने कहा कि कोर्ट कॉम्प्लेक्स के आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है। उधर, पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव के एक मामले की सुनवाई को टाल दिया गया है। बार-बार मिल रही धमकी से अधिवक्ता गुस्से में हैं।

बांग्लादेश चुनाव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में सीमा पर बीएसएफ ने बढ़ाई चौकसी

कोलकाता। बांग्लादेश में आज हो रहे संसदीय चुनाव को देखते हुए पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पूरी सीमा पर अतिरिक्त जवानों की तैनाती की है और गश्त को तेज कर दिया है। बुधवार रात से ही सीमावर्ती इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

सुंदरबन के तटीय क्षेत्रों से लेकर उत्तर बंगाल के सीमावर्ती जिलों तक हाई अलर्ट जारी किया गया है। बीएसएफ ने संवेदनशील और अतिसंवेदनशील माने जाने वाले इलाकों में विशेष निगरानी व्यवस्था लागू की है। बीएसएफ के पूर्वी कमान मुख्यालय में तैनात एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, बांग्लादेश में चुनाव के दौरान संभावित हिंसा और अस्थिरता को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। आशंका जताई जा रही है कि अशांति की स्थिति में अपराधी या संदिग्ध तत्व सीमा पार कर भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर सकते हैं। ।

सीमा के नदीय और दुर्गम इलाकों में भी गश्ती दलों की संख्या बढ़ाई गई है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है जहां पहले अवैध गतिविधियों की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सुंदरबन से सटे वन और समुद्री क्षेत्रों में खास तौर पर निगरानी बढ़ाई गई है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूरी सीमा पर अत्याधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। थर्मल इमेजर, नाइट विजन डिवाइस, ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है।

अधिकारी ने कहा, हमने संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल तैनात किया है। गश्त की आवृत्ति बढ़ाई गई है और हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। अत्याधुनिक उपकरणों के जरिए निगरानी सुनिश्चित की जा रही है ताकि किसी भी तरह की घुसपैठ या अवैध गतिविधि को रोका जा सके। बीएसएफ स्थानीय प्रशासन और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय बनाकर काम कर रही है।

ब्रीफ न्यूज

शादी-ब्याह की बसों पर बढ़ा परमिट शुल्क... अब महंगा होगा सफर

उज्जैन (ब्यूरो)। शादी-विवाह, बारात और धार्मिक आयोजनों में चलने वाली बसों को अब पहले से ज्यादा परमिट शुल्क देना होगा। परिवहन विभाग ने विशेष अवसरों पर चलने वाली बसों के शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है। नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई हैं।

अब इन बसों के लिए परमिट शुल्क 12 रुपये प्रतिदिन प्रति सीट से बढ़ाकर 18 रुपये प्रतिदिन प्रति सीट कर दिया गया है। यानी 50 सीट वाली बस पर पहले जहां 600 रुपये प्रतिदिन शुल्क लगता था, अब 900 रुपये देने होंगे।

परिवहन विभाग ने टेंपरेरी (अस्थायी) परमिट की दरों में भी बढ़ोतरी की है। नई व्यवस्था के अनुसार 100 किलोमीटर तक 200 रुपये प्रति सीट शुल्क लिया जाएगा। इसके बाद हर अतिरिक्त 10 किलोमीटर पर 12 रुपये प्रति सीट देना होगा। पहले यह दर 10 रुपये प्रति 10 किलोमीटर प्रति सीट थी।

अधिकारियों का कहना है कि लंबी दूरी के रूट पर चलने वाली बसों की निगरानी और राजस्व संतुलन के लिए यह बदलाव जरूरी था।

शिवरात्रि- 44 घंटे खुले रहेंगे महाकालेश्वर मंदिर के पट

उज्जैन (ब्यूरो)। महाशिवरात्रि पर्व 15 फरवरी को मनेगा। इसके एक दिन पहले 14 फरवरी की दरमियानी रात 2.30 बजे खोले जाएंगे। इसके बाद से भक्तों को लगातार 44 घंटे भगवान महाकाल के दर्शन होंगे। इस दौरान गर्भगृह में भगवान के अभिषेक-पूजन का क्रम सतत जारी रहेगा। 16 फरवरी को शयन आरती के बाद रात 11 बजे मंदिर के पट पुनः बंद होंगे।

महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी आशीष गुरु ने बताया कि 14 फरवरी शनिवार रात 2.30 बजे मंदिर के पट खुलने के बाद भस्म आरती होगी। रविवार सुबह 7.30 बजे बालभोग (दद्योदक) तथा सुबह 10.30 बजे भोग आरती होगी। दोपहर 12 बजे तहसील की ओर से शासकीय पूजन होगा। शाम 4 बजे होलकर व सिंधिया स्टेट की ओर से पूजा की जाएगी। शाम 7.30 बजे संध्या आरती में भगवान को गर्म मीठे दूध का भोग लगाया जाएगा। शाम सात बजे से कोटितीर्थ कुंड के समीप स्थित भगवान श्री कोटेश्वर महादेव मंदिर में शिवरात्रि की महापूजा शुरू होगी। पुजारी कोटेश्वर महादेव का अभिषेक-पूजन कर सप्त धान अर्पित करेंगे। उसके बाद पुष्प मुकुट सजाकर आरती की जाएगी। इसके बाद रात 11 बजे से गर्भगृह में महानिशा काल में महाकाल की महापूजा शुरू होगी, जो अगले दिन नौ मार्च को सुबह छह बजे तक चलेगी। इस दौरान भगवान महाकाल पंचामृत, फलों के रस, गुलाब जल, भांग आदि से अभिषेक-पूजन किया जाएगा। 16 फरवरी को भगवान को सप्तधान अर्पित उनके शीश सवामन फल व फूलों से बना पुष्प मुकुट सजाया जाएगा। सोने-चांदी के आभूषणों से भगवान का श्रृंगार होगा। भगवान पर चांदी का सिक्का व बिल्व पत्र न्योछावर किया जाएगा। भगवान को फलों का भोग लगाकर आरती की जाएगी। सेहरा दर्शन के उपरांत साल में एक बार दिन में दोपहर 12 बजे होने वाली भस्म आरती होगी।

शिवनवरात्रि के 6 दिनों में साढ़े 8 लाख से अधिक लोगों ने किए दुल्हा बने महाकाल के दर्शन

उज्जैन (ब्यूरो)। महाकालेश्वर मंदिर में पिछले शुक्रवार से महाशिवरात्रि पर्व की शुरुआत हो चुकी है और बुधवार को इसका छटा दिन था। शुरुआती 6 दिनों में ही दुल्हा बने भगवान महाकाल के साढ़े 8 लाख से अधिक लोग दर्शन कर चुके हैं। इस दौरान प्रतिदिन दूल्हा बने भगवान महाकाल को चंदन और केसर तथा माता पार्वती को हल्दी लगाई जा रही है।

महाकाल में शिव नवरात्रि पर्व की शुरुआत 6 फरवरी से हो गई है और यह 15 फरवरी शिवरात्रि तक चलेगा। महाकाल मंदिर की पूजन परंपरा में फाल्गुन कृष्ण पंचमी से चतुर्दशी तक शिव विवाह का उत्सव मनाया जाएगा। उत्सव की इस श्रृंखला में भगवान की विशेष पूजा-अर्चना की जा रही है। महाशिवरात्रि 15 फरवरी को मनेगी और 14 फरवरी की रात 2 बजकर 30 मीनट पर मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे जो सतत 44 घंटे 16 फरवरी की रात 2 बजे तक खुल रहेंगे। सहायक प्रशासनिक अधिकारी मूलचंद जूनवाल ने बताया कि शिवनवरात्रि के पहले दिन 1 लाख से अधिक लोगों ने महाकाल के दर्शन किए थे। जबकि दूसरे दिन शनिवार को यह आंकड़ा 1.5 लाख तक पहुंच गया था। तीसरे दिन रविवार को लगभग 2 लाख लोग दर्शन करने पहुंचे थे।

अगर लगता है कि नहीं कर पाएंगे तो बता दें: सीएम मोहन यादव

सिंहस्थ के कार्यों की समीक्षा की, बोले- बेहतर काम वाले अधिकारियों की पदस्थापना करे

उज्जैन (ब्यूरो)। उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नगर निगम के सभाकक्ष में सिंहस्थ 2028 विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ महापर्व का आयोजन विश्व के लिए अद्वितीय है। सिंहस्थ महापर्व के दौरान करोड़ों श्रद्धालु मोक्षदायिनी शिप्रा में आस्था की डुबकी लगाएंगे।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी अधिकारी को लगता है कि वे काम नहीं कर पा रहे है उसके संबंध में वह अपने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत करा दें। जिससे बेहतर काम करने वाले अधिकारियों की पदस्थापना की जा सके।

साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा, संजय दुबे को निर्देश दिए हैं कि सिंहस्थ के कामों में किसी भी तरह की रुकावट न आए। मुख्यमंत्री निवास पर भी सिंहस्थ सेल गठित कर मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। जिन विभागों में अधिकारियों की कमी है उनकी पदस्थापना तत्काल की जाए।

बैठक में प्रभारी मंत्री उज्जैन गौतम टेटवाल, महापौर मुकेश टटवाल, विधायक अनिल जैन कालूहेडा, सतीश मालवीय, जितेन्द्र पंड्या, नगर निगम अध्यक्ष कलावती यादव, सिंहस्थ मेला अधिकारी सह संभागायुक्त आशीष सिंह, एडीजी राकेश गुप्ता, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारी समय-सीमा में पूर्ण कराएं जिम्मेदारी

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अलग-अलग विभागों के माध्यम से

सिंहस्थ 2028 के लिए किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेकर कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैनवासियों से सेवा भाव की तरह कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण कराएं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ 2028 के लिए अब रिवर्स कैलेंडर बनाकर निर्माण कार्य तेज गति से पूर्ण करें। समय-सीमा में काम गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए। वर्तमान समय माइक्रों मैनेजमेंट से नैनो मैनेजमेंट की ओर जाने का है। युद्ध स्तर की तैयारियां शुरु करना है।

सभी अधिकारी 24 घंटे, सातों दिन सक्रिय रहें। सिंहस्थ 2028 को बेहतर प्रबंधन के साथ करने के लिए उज्जैन जिले के सभी नागरिकों को जिम्मेदारी के भाव के साथ काम करने के लिए प्रेरित करें और उनको यह लगना चाहिए कि यह हमारा व्यक्तिगत काम है। इसके लिए सभी नागरिकों में जिम्मेदारी के साथ समर्पण का भावभी पैदा करने के लिए समन्वय बनाकर कार्य करें।

बैठक में अधिकारियों को दिए ये निर्देश

1. होम स्टे, धर्मशाला, स्कूल, कॉलेज में व्यवस्थाओं के लिए आधारभूत संरचना तैयार करने के लिए कार्य योजना बनाएं।
2. उज्जैन शहर से जुड़ने वाले आसपास के गांव में होम स्टे की व्यवस्था के लिए लोगों को प्रशिक्षण भी दिया जाए।
3. सिंहस्थ 2028 मेला क्षेत्र में आंतरिक और बाहरी व्यवस्थाओं की अलग-अलग रूपरेखा बनाएं।
4. सिंहस्थ मेले की बाहर की व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद बनाने के लिए जरूरी है कि उसकी समस्त जगहों की मैपिंग की जाए।
5. उज्जैन सिंहस्थ 2028 की तैयारी में बेहतर प्रबंधन के लिए उज्जैन में महाशिवरात्रि, श्रावण, नागपंचमी एवं अन्य त्योहारों पर व्यवस्थाओं को प्रायोगिक रूप से बनाए और उसके अनुभवों का लाभ लेते हुए सिंहस्थ 2028 के भीड प्रबंधन कार्य योजना बने।
6. शहर से जुड़ने वाले दूसरे जिलों के वैकल्पिक मार्गों का चयन कर लें और इन मार्गों को गुगल मैपिंग के साथ उन्नयन भी कराया जाए जिससे भीड़ प्रबंधन में इन मार्गों का उपयोग हो सके
7. शहर के महाकाल मंदिर पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का भी चयन करें जिससे भीड़ प्रबंधन आसानी से हो सके।
8. श्री मंगलनाथ, श्री भूखीमाता रामघाट के आसपास घाटों को जोड़ने वाले मार्गों को चिन्हित कर उन्नयन करें।
9. सिंहस्थ मेला क्षेत्र के बाहर सामाजिक सामुदायिक भवन, स्कूल, कॉलेज धर्मशाला बनाने वाली संस्थाओं को प्रोत्साहित करें।
10. सिंहस्थ 2028 के लिए काम कर रही निर्माण एजेंसी जो समय पर काम पूरा करें उनको प्रोत्साहन स्वरूप व्यवस्था भी बना कर दें।

महाकालेश्वर-माता पार्वती के विवाह के रिसेप्शन में जुटे भक्त, 18 को शिप्रा तट पर होगा नगर भोज

उज्जैन (ब्यूरो)। युवा शयन आरती भक्त परिवार की अगुवाई में महाकालेश्वर व मां पार्वती के विवाह महोत्सव का आयोजन 18 फरवरी को किया जाएगा। भक्त परिवार के सुनील सोनू राठौर के अनुसार बालाजी गार्डन, नृसिंह घाट मार्ग पर शाम 4 बजे से इसकी शुरुआत होगी।

नगर भोज का प्रथम निमंत्रण चिंतामण गजानंदजी महाराज को दिया गया। आमंत्रण पत्र में विनीत के तौर पर नंदी, मानभद्र, वीरभद्र, घंटाकरण, मणीभद्र, कीर्तिमुख, हनुमान महाराज, नाकोड़ा भैरव, दर्शनाभिलाषी में रिद्धी-सिद्धी, श्री गणेश, कार्तिकेय स्वामी, अशोक सुंदरी, नहुश, स्वागतातुर में

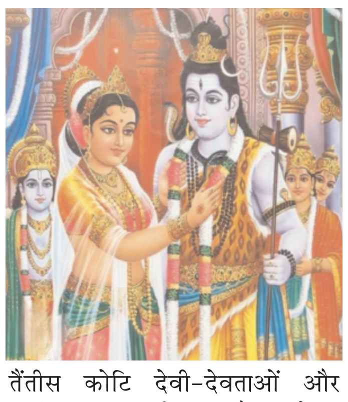

तैंतीस कोटि देवी-देवताओं और अवंतिका नगरवासी लिखा है। आयोजन का यह 26वां वर्ष है। आशीर्वाददाता रामनाथ जी महाराज, मठाधीश भर्तृहरि गुफा, राज्य सभा सदस्य उमेशनाथजी महाराज, महामंडलेश्वर ज्ञानदासजी महाराज, महावीरनाथ महाराज, महंत ऋणमुक्तेश्वर महादेव, शांतानंद महाराज, महंत राघवेंद्रदास महाराज गौशाला नवाखेड़ा रहेंगे।

भक्तों के लिए तरह-तरह की मिठाई, नमकीन रहेंगे नगर भोज में आने वाले भक्तों के लिए तरह-तरह की मिठाई, नमकीन बनाए जाएंगे। इसके लिए टीम ने तैयारी की है। सदस्यों का कहना है कि स्टॉल लगाकर भोजन प्रसादी दी जाएगी। इसके अलावा शाम से देर रात तक भजन-कीर्तन और नृत्य का दौर भी जारी रहेगा। आयोजन स्थन पर झांकियां भी सजाई जाएंगी। जिसमें महाकालेश्वर को 56 भोग अर्पित किए जाएंगे।

उज्जैन में सिंहस्थ घाट निर्माण के दौरान हादसा: मिट्टी धंसने से मजदूर की मौत

घाट निर्माण के लिए कर रहा था खुदाई

उज्जैन (ब्यूरो)। उज्जैन में सिंहस्थ-2028 को लेकर शिप्रा नदी किनारे बन रहे घाटों के निर्माण कार्य के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। मिट्टी धंसने से मलबे में दबकर एक मजदूर की मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हादसा बुधवार शाम शांति पैलेस क्षेत्र में हुआ। जानकारी के अनुसार सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को देखते हुए शिप्रा नदी किनारे त्रिवेणी से अंगारेश्वर मंदिर तक 29 किलोमीटर लंबे घाटों का निर्माण किया जा रहा है। नीलगंगा पुलिस के मुताबिक डुंगरगांव (बड़वानी) का सुरेश (35) पिता नरसिंगा मिट्टी की खुदाई कर रहा था, तभी मिट्टी धंस गई। जब तक साथियों ने उसे बाहर निकाला,

उसकी मौत हो चुकी थी।

एक माह पहले ही आया था

सुरेश एक माह पहले ही मजदूरी करने आया था। इससे पहले वह दूसरे काम करता था। गुरुवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। सुरेश अपने पीछे पांच बच्चे छोड़ गया है।

सर्वर फेल होने से उज्जैन में राशन वितरण ठप

जिले की 800 राशन दुकानों पर एक जैसी स्थिति, खाली हाथ लौट रहे लोग

उज्जैन (ब्यूरो)। उज्जैन जिले में सर्वर में आई तकनीकी खराबी के कारण राशन वितरण पूरी तरह ठप हो गया है। इसका असर जिले की सभी 800 उचित मूल्य दुकानों पर पड़ा है, जबकि ऐसी ही स्थिति पूरे मध्यप्रदेश में बताई जा रही है। प्रतिदिन सुबह से ही लोग राशन दुकानों पर पहुंच रहे हैं,लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी राशन नहीं मिल पा रहा है, क्योंकि सर्वर चालू नहीं हो पा रहा है। कई मामलों में बायोमेट्रिक सत्यापन के बाद भी सिस्टम आगे नहीं बढ़ रहा, जिससे वितरण प्रक्रिया बाधित हो रही है और दुकानों पर विवाद की स्थिति भी बन रही है।

15 तारीख तक मिलना चाहिए राशन

नियमों के अनुसार हर महीने की 15 तारीख तक सभी कार्डधारकों को राशन मिल जाना चाहिए, लेकिन इस बार 12 फरवरी तक भी वितरण शुरू नहीं हो सका है। मजबूरी में लोग खुले बाजार से महंगा अनाज खरीद रहे हैं।

लाखों उपभोक्ता प्रभावित

उज्जैन जिले में लगभग 800 राशन दुकानें संचालित हैं, जबकि पूरे प्रदेश में इनकी संख्या करीब 25 हजार है। प्रत्येक दुकान से हर महीने 600 से 1000 कार्डधारकों को राशन दिया जाता है। योजना के तहत प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम राशन (4 किलो गेहूं और 1 किलो चावल) दिया जाता है, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण

पूरी व्यवस्था प्रभावित हो गई है।

दुकानदार और उपभोक्ता दोनों परेशान

जिला भंडार संघ के अध्यक्ष मनोज शर्मा ने बताया कि फरवरी से सर्वर समस्या के कारण राशन वितरण नहीं हो पा रहा है। दुकानों से रोज फोन आ रहे हैं और अधिकारियों से चर्चा के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ है। बायोमेट्रिक के बाद भी सिस्टम आगे नहीं बढ़ रहा।

सर्वर सुधार के प्रयास जारी

जिला आपूर्ति नियंत्रक शालू वर्मा के अनुसार सर्वर समस्या को लेकर एनआईसी के साथ लगातार काम किया जा रहा है। प्रदेश स्तर पर भी तकनीकी समस्या की जानकारी दे दी गई है। पिछले छह दिनों से सर्वर सुधार का प्रयास जारी है और फिलहाल इसे सुधार के लिए अस्थायी रूप से बंद किया गया है।

मंडी की सफाई पेंडिंग... ननि से 6 माह बाद भी एग्रीमेंट नहीं

उज्जैन (ब्यूरो)। उज्जैन शहर के बीचोबीच बनी कृषि मंडी में सफाई व्यवस्था सुधारने का मामला एक साल से पेंडिंग है। निजी ठेकेदार के काम से न तो व्यापारी संतुष्ट हैं और न ही अफसर। मामला मंडी बोर्ड भोपाल पहुंचा और वहां से यह काम निगम को सौंपने का निर्णय लिया गया।

बकायदा इसके लिए निगम से मंगवाए 5.36 लाख रुपए प्रतिमाह के कोटेशन को भी मंडी बोर्ड ने स्वीकार कर लिया, लेकिन निगम व मंडी कर्मचारियों के बीच तालमेल नहीं बन सका और 6-7 माह से मामला पेंडिंग पड़ा है। निगम के साथ मंडी का एग्रीमेंट नहीं हो सका। इस कारण समिति को मजबूरन पुराने निजी ठेकेदार के भरोसे ही मंडी परिसर की सफाई कराना पड़ रही है।

निजी ठेकेदार के सही तरह से काम नहीं करने से मंडी परिसर की ठीक से सफाई नहीं हो पाती। मंडी सचिव राजेश गोयल के अनुसार एक दिन पहले ही निगम अफसर से इस मामले में चर्चा हुई है। अधिकारी ने मौखिक रूप से स्वीकृति दे दी है। एग्रीमेंट कराकर जल्द ही मंडी परिसर की सफाई का जिम्मा नगर निगम को सौंप दिया जाएगा। इससे निगम की आमदनी भी बढ़ेगी।

शिवनवरात्रि के सातवें दिन महाकाल का मनमहेश स्वरूप श्रृंगार

भगवान को रजत आभूषण, नवीन वस्त्र, मखाने की माला सहित बिल्वपत्र अर्पित किए

उज्जैन। (ब्यूरो) श्री महाकालेश्वर मंदिर में शिवनवरात्रि का उत्सव बड़ी धूम-धाम व उल्हास के साथ मनाया जा रहा है। गुरुवार को शिवनवरात्रि के सातवें दिन सुबह श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण स्थित कोटितीर्थ के तट पर प्रातः 08 बजे से श्री गणेश पूजन व श्री कोटेश्वर महादेव भगवान का पूजन-अभिषेक-आरती के साथ हुआ। श्री महाकालेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी घनश्याम शर्मा के आचार्यत्व में 11 पंडितों द्वारा श्री महाकालेश्वर भगवान जी का अभिषेक एकादश-एकादशनी रूद्रपाठ से किया गया। दोपहर तीन बजे बाद संध्या पूजन के पश्चात भगवान श्री महाकालेश्वर ने नवीन वस्त्र के साथ मन महेश स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए। दुप्पटा, मुकुट, मुंड-माला, छत्र आदि से महाकाल को श्रृंगारित किया। श्री महाकालेश्वर भगवान 15 फरवरी तक रोजाना शाम को अलग-अलग स्वरूप में भक्तों को दर्शन देंगे। भगवान महाकाल अपने भक्तों को 13 फरवरी को उमा महेश, 14 फरवरी को शिव तांडव और 15 फरवरी को सप्तधान का मुखौटा स्वरूप में दर्शन देंगे।

6 महीने में 12 हजार से अधिक लोगों को कराए तीर्थ दर्शन

इस साल मार्च अंत तक 19 हजार से अधिक लोगों को दर्शन कराने का है टारगेट

उज्जैन (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना उज्जैन से स्तिथ प्रदेश के धर्मस्व विभाग के माध्यम से संचालित की जा रही है। विभाग द्वारा पिछले 6 महीने में उज्जैन सहित प्रदेश के 44 जिलों के 12 हजार से अधिक लोगों को ट्रेनों के माध्यम से तीर्थ दर्शन कराए जा चुके हैं। वहीं इस साल मार्च अंत तक यह आंकड़ा 19 हजार से अधिक पहुंच जाएगा। धर्मस्व विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा योजना के तहत आईआरसीटीसी की भारत गौरव ट्रेनों के माध्यम से प्रदेश के 44 जिलों के वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों के दर्शन कराए जा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत 25 अगस्त 2025 से 30 मार्च 2026 तक कुल 24 ट्रेनें संचालित की जानी हैं, जिनसे 19,200 वरिष्ठ नागरिक लाभान्वित होंगे। अब तक 25 अगस्त 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच 16 ट्रेनों के माध्यम से 12,800 तीर्थ यात्रियों को यात्रा कराई जा चुकी है। यात्रियों को यात्रा, भोजन और ठहरने की निःशुल्क सुविधा प्रदान की गई।

मंगलनाथ क्षेत्र में 25 एकड़ में हेल्थ टूरिज्म का नया केंद्र बनेगा उज्जैन

उज्जैन (ब्यूरो)। उज्जैन अब मेडिसिटी के साथ-साथ आयुर्वेद का भी बड़ा केंद्र बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने देश के तीसरे अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एम्स) को उज्जैन में स्थापित करने की घोषणा की है। दिल्ली और गोवा के बाद यह आयुर्वेद का तीसरा एम्स होगा। उज्जैन में केंद्रीय संस्थान आने से यहां न सिर्फ चिकित्सा सेवा बेहतर होगी बल्कि आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसंधान और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

उज्जैन में अगर यह संस्थान शुरू होता है तो भविष्य में हेल्थ टूरिज्म सिटी स्थापित करने में यह मील का पत्थर साबित होगा। दरअसल, एम्स के लिए करीब 25 एकड़ जमीन की जरूरत है। धन्वंतरि आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जेपी चौरसिया के अनुसार मंगलनाथ क्षेत्र में कॉलेज के पास काफी जमीन है।

कॉलेज के पास यहां अपनी करीब 5 एकड़ जमीन है। ऐसे में 20 एकड़ जमीन जमीन खरीद कर या अधिगृहित कर काम शुरू किया जा सकता है।

सीएम की बरसों की मेहनत लाई रंग

उज्जैन में आयुर्वेद एम्स की लंबे समय से मांग की जा रही थी। डॉ. मोहन यादव ने उच्च शिक्षा मंत्री रहते हुए इसके लिए प्रयास शुरू किए थे, जिसे बाद में सांसद अनिल फिरोजिया ने केंद्रीय स्तर पर आगे बढ़ाया। केंद्र सरकार के इस फैसले से अब अवंतिका नगरी आयुर्वेद चिकित्सा के वैश्विक मानचित्र पर चमकने को तैयार है।

खासियत = 500 बिस्तर का अस्पताल और 100 सीटों का कॉलेज

प्रस्तावित संस्थान न केवल उपचार, बल्कि शिक्षा का भी बड़ा केंद्र बनेगा।

मरीजों की सभी प्रकार की जांचें और उच्च गुणवत्ता वाला उपचार और दवाएं पूरी तरह मुफ्त मिलेंगी।

एम्स के पैरामीटर में 500 बिस्तरों का अस्पताल जरूरी है। ऐसे में अगर यह अस्पताल खुलता है तो आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से लोग उपचार करा सकेंगे। संस्थान में 100 सीटों वाला आयुर्वेद कॉलेज होगा, जहां यूजी (बीएएमएस) के साथ-साथ सभी विषयों में पीजी (एमडी-एमएस) की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में धन्वंतरि कॉलेज में सीमित सीटें ही उपलब्ध हैं।

उज्जैन में बन रही मेडिसिटी और अब इस संस्थान के आने से यहां चिकित्सा पर्यटन बढ़ेगा।

ब्रीफ न्यूज

करेंसी एक्सचेंज के नाम पर ठगी, महिला कर्मचारी से 2.92 लाख रुपए ऐंठे

डॉलर दिलाने का झांसा देकर नासिक निवासी आरोपी फरार, मोबाइल बंद कर हुआ गायब

भोपाल। भोपाल में एक निजी मार्केटिंग कंपनी में काम करने वाली महिला कर्मचारी से करेंसी एक्सचेंज के नाम पर करीब 2 लाख 92 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने रुपए के बदले डॉलर दिलाने का वादा किया था, लेकिन रकम लेने के बाद मोबाइल बंद कर फरार हो गया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, 25 वर्षीय विनीता प्रजापति गांधी नगर इलाके में रहती हैं और एक निजी मार्केटिंग कंपनी में काम करती हैं। उनकी कंपनी करेंसी एक्सचेंज से भी जुड़ी है। विनीता ने रुपए के बदले डॉलर खरीदने के लिए नासिक निवासी रविप्रकाश त्रिपाठी से संपर्क किया था। आरोपी ने खुद को करेंसी एक्सचेंज से जुड़ा बताते हुए जल्द डॉलर उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

डील तय होने के बाद विनीता ने सितंबर से दिसंबर 2025 के बीच तीन किस्तों में कुल 2 लाख 92 हजार 890 रुपए आरोपी द्वारा बताए गए बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिए। रकम लेने के बाद आरोपी ने कुछ समय तक टालमटोल किया और फिर अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया।

एक महीने से ज्यादा समय तक डॉलर नहीं मिलने पर महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने ठगी का प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

एमपी में 5G की रफ्तार तेज, लेकिन बीएसएनएल अब भी आधे गांवों से दूर

भोपाल। मध्य प्रदेश में निजी और सरकारी टेलीकॉम सेवाओं के बीच अंतर लगातार बढ़ता जा रहा है। संसद में पेश आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश के 54,903 गांवों में से केवल 24,394 गांवों तक ही बीएसएनएल की सेलुलर सेवाएं पहुंच पाई हैं। यानी करीब 55.5त्न गांवों (लगभग 30,509 गांव) में अब भी बीएसएनएल का नेटवर्क नहीं है। अन्य राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश में बीएसएनएल का प्रदर्शन कमजोर माना जा रहा है।

हालांकि केंद्र सरकार के अनुसार बीएसएनएल देशभर में 1 लाख स्वदेशी 4त्न टावर लगाने की योजना पर काम कर रहा है। 15 जनवरी 2026 तक 97,672 साइटें स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें से 95,511 ऑन-एयर हो चुकी हैं। इन टावरों को भविष्य में 5त्न में अपग्रेड किया जा सकेगा।

दूसरी ओर, निजी कंपनियों की 5त्न सेवाओं ने प्रदेश में तेजी से विस्तार किया है। मध्य प्रदेश के 27,961 गांवों में 5त्न नेटवर्क पहुंच चुका है, जो कुल गांवों का 51त्न से अधिक है। अब तक प्रदेश में 22,182 5त्न बीटीएस टावर लगाए जा चुके हैं। गांवों तक 5त्न पहुंचाने के मामले में मध्य प्रदेश देश में छठे स्थान पर है।

मध्य प्रदेश में बदला मौसम का मिजाज, दिन के तापमान में आयी गिरावट, रात और सुबह हल्की ठंड का असर

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक बार फिर बादलों ने डेरा डाल लिया है। पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) और ट्रफ के प्रभाव से बुधवार को भोपाल, इंदौर, ग्वालियर सहित कई शहरों में आसमान में बादल छाए रहे। इसके चलते दिन के तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने वाले हैं। हालांकि प्रदेश में बारिश का कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है, लेकिन बादल छाए रहने की संभावना बनी रहेगी। अगले तीन से चार दिनों तक ठंड का असर खासकर देर रात और सुबह के समय महसूस होगा। मौसम विभाग के मुताबिक, मौजूदा सिस्टम के कारण बादल बने हुए हैं। आने वाले दिनों में दिन और रात के तापमान में बढ़ोतरी का रुझान देखने को मिलेगा। मौसम विभाग का कहना है कि पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी जारी है और कई राज्यों में बारिश हो रही है। सिस्टम के गुजरने और बर्फ पिघलने के बाद मौसम में फिर बदलाव होगा। अगले कुछ दिनों में तापमान में गिरावट का एक और दौर आ सकता है, हालांकि कड़ाके की ठंड की संभावना नहीं है। रात के समय अधिकांश शहरों में तापमान 10 से 12 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

जनगणना 2027 की तैयारी तेज, भोपाल में जुटेंगे प्रदेशभर के कलेक्टर और वरिष्ठ अधिकारी

एक मई से शुरू होगी मकान गणना, प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया होंगे शामिल

भोपाल। जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर मध्यप्रदेश में प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हो गई हैं। पहले चरण में प्रस्तावित मकान गणना के मद्देनजर शुक्रवार को राजधानी भोपाल में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रदेशभर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हिस्सा लेंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य के सभी 55 जिलों के कलेक्टर, 12 संभागायुक्त और 16 नगर निगम आयुक्त मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की उपस्थिति भी प्रस्तावित है।

गृह विभाग के सचिव एवं राज्य जनगणना के नोडल अधिकारी अभिषेक सिंह द्वारा इस संबंध में सभी अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। पत्र के अनुसार, जनगणना 2027 के पहले चरण की तैयारी के तहत 13 फरवरी को यह प्रशिक्षण सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एक मई से शुरू होने वाली मकान गणना की प्रक्रिया को सुचारु और प्रभावी बनाना है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों को जनगणना की समय-सीमा, कार्यप्रणाली और प्रश्नावली के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। साथ ही डिजिटल माध्यम से डेटा संग्रहण की प्रक्रिया को भी समझाया जाएगा, ताकि कार्य में पारदर्शिता और गति सुनिश्चित की जा सके। अधिकारियों को मोबाइल एप्लिकेशन, सीएमएमएस और एचएलबीसी जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग और मॉनिटरिंग तंत्र की जानकारी भी दी जाएगी। बैठक में जनगणना कर्मियों की नियुक्ति, उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था, बजट आवंटन और उपयोगिता प्रमाण पत्र से जुड़ी प्रक्रिया पर भी चर्चा होगी। इसके अलावा फील्ड में काम करते समय आने वाली संभावित समस्याओं और उनके समाधान के बारे में भी मार्गदर्शन दिया जाएगा। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जाएंगे कि मकान गणना का कार्य तय समय-सीमा में सही और सटीक तरीके से पूरा हो।

जनगणना 2027 देश की एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया मानी जाती है, जिसके आधार पर विकास योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। मकान गणना इसके पहले चरण का अहम हिस्सा है, जिसके माध्यम से क्षेत्रवार आवासीय स्थिति, परिवारों की संख्या और बुनियादी सुविधाओं की जानकारी एकत्र की जाती है।

हालांकि, मध्यप्रदेश में जनगणना निदेशक का पद 30 सितंबर 2025 से खाली है। उस समय तत्कालीन निदेशक भावना वालिम्बे के सेवानिवृत्त होने के बाद अब तक इस पद पर नियमित नियुक्ति नहीं हो सकी है। फिलहाल यह जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ के जनगणना निदेशक को अतिरिक्त प्रभार के रूप में दी गई है। इसके बावजूद राज्य स्तर पर तैयारियों को गति दी जा रही है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा इस वर्ष प्रस्तावित जनगणना के लिए मकान गणना की तिथि घोषित करने के बाद अब प्रश्नावली और प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा भी तय कर दी गई है। ऐसे में भोपाल में आयोजित यह राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशासनिक तैयारियों को अंतिम रूप देने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इससे अधिकारियों को जमीनी स्तर पर कार्य को बेहतर तरीके से संचालित करने में मदद मिलेगी और जनगणना 2027 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का मार्ग प्रशस्त होगा।

ईरानी डेरे पर भोपाल पुलिस का बड़ा एक्शन, 39 गिरफ्तार; यूपी का मोस्ट वांटेड शहादत भी दबोचा

400 जवानों की घेराबंदी में रातभर चली कार्रवाई, 17 दोपहिया, सोना-चांदी, नकदी और गांजा बरामद; सैकड़ों वारंट तामील

भोपाल। राजधानी में कानून-व्यवस्था को सख्त बनाए रखने के अभियान के तहत भोपाल पुलिस ने अमन कॉलोनी स्थित ईरानी डेरे पर बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 39 लोगों को गिरफ्तार किया है। मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात चली इस सुनियोजित छापेमारी में यूपी का मोस्ट वांटेड अपराधी शहादत भी पुलिस के हत्थे चढ़ा। शहादत पर एक लाख रुपए से अधिक का इनाम घोषित बताया गया है।

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के अनुसार ईरानी डेरा अलग-अलग जिलों और राज्यों के वांटेड अपराधियों का ठिकाना बना हुआ था। गुप्त सूचना के आधार पर डीसीपी जोन-4 मयूर खंडेलवाल के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई और बेहद गोपनीय तरीके से ऑपरेशन की रणनीति तैयार की गई। आधी रात के बाद अमन कॉलोनी की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया।

इस विशेष अभियान में 9 असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर, 16 निरीक्षक और करीब 400 पुलिसकर्मी शामिल रहे। घेराबंदी के दौरान कुछ स्थानीय लोगों और महिलाओं ने विरोध करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए कार्रवाई जारी रखी। विरोध के दौरान कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया।

कार्रवाई के दौरान 31 पुरुष और 8 महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में कई ऐसे लोग शामिल हैं जो भोपाल के साथ-साथ अन्य जिलों और राज्यों में भी वांटेड बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से चोरी के 17 दोपहिया वाहन, 644 ग्राम सोना, 240 ग्राम चांदी, 39 मोबाइल फोन, 1.34 लाख रुपए नकद और करीब 1.7 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया है। बरामद सामान की कीमत लाखों रुपए में आंकी जा रही है।

पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई केवल एक स्थान तक सीमित नहीं थी, बल्कि पूरे शहर में वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 238 स्थायी वारंट, 125 गिरफ्तारी वारंट और 121 जमानती वारंट तामील किए गए। इसके अलावा 21 अन्य फरार आरोपियों को भी पकड़ा गया, जिनमें वाहन चोर और अन्य जिलों के अपराधी शामिल हैं। गंभीर अपराधों के लंबित मामलों में आठ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

पुलिस कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि राजधानी में अपराधियों के लिए कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं छोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के विशेष अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि शहर में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ईरानी डेरे पर हुई यह बड़ी कार्रवाई पुलिस की सख्ती और सक्रियता का संकेत मानी जा रही है।

इस ऑपरेशन के बाद पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर अन्य आपराधिक नेटवर्क और फरार साथियों के बारे में जानकारी जुटाने में लगी है। शहर में इस कार्रवाई के बाद सुरक्षा व्यवस्था और भी कड़ी कर दी गई है।

पटना-इंदौर एक्सप्रेस में वन्यजीव तस्करी का भंडाफोड़, 311 दुर्लभ जीवित कछुए बरामद

स्टेट टाइगर फोर्स और वन विभाग की संयुक्त कार्रवाई; गिरोह का सरगना गिरफ्तार, अन्य आरोपियों से पूछताछ जारी

भोपाल। राजधानी में वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए स्टेट टाइगर फोर्स और वन विभाग ने संयुक्त कार्रवाई में 311 दुर्लभ एवं प्रतिबंधित प्रजाति के जीवित कछुओं को बरामद किया है। यह कार्रवाई पटना-इंदौर एक्सप्रेस ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच में की गई। संत हिरदाराम नगर रेलवे स्टेशन पर छापेमारी के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे जांच करते हुए गिरोह के अन्य सदस्यों को भी पकड़ा गया है।

वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रेल नेटवर्क के जरिए दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर स्टेट टाइगर फोर्स, वन विभाग और अन्य एजेंसियों की संयुक्त टीम ने ट्रेन के फर्स्ट एसी कोच में दबिश दी। इस दौरान अजय सिंह राजपूत नामक आरोपी को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से 311 जीवित कछुए बरामद हुए, जिन्हें प्रतिबंधित श्रेणी का बताया गया है।

सभी कछुओं को तत्काल जब्त कर वन अपराध का मामला दर्ज किया गया। वन्यजीव विशेषज्ञों द्वारा उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया। इसके बाद न्यायालय की अनुमति मिलने पर कछुओं को सुरक्षित रूप से उनके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, इतनी बड़ी संख्या में जीवित कछुओं की बरामदगी वन्यजीव तस्करी के संगठित नेटवर्क की ओर इशारा करती है।

मामले की जांच को आगे बढ़ाते हुए 8 फरवरी 2026 को गिरोह से जुड़े एक विधि-विरोधी बालक को लखनऊ से पकड़ा गया। 9 फरवरी को उसे किशोर न्याय बोर्ड, भोपाल के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे संप्रेक्षण गृह भेज दिया गया। इसके अलावा फरार आरोपी आसिफ खान, निवासी देवास, की तलाश में विशेष टीम ने लगातार तीन दिन तक घेराबंदी और रैकी की। 10 फरवरी को उसे देवास से गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी को विशेष न्यायालय में पेश कर फॉरेस्ट रिमांड पर लिया गया है। उससे पूछताछ जारी है, ताकि तस्करी नेटवर्क के अन्य सदस्यों और इसके संभावित अंतरराज्यीय कनेक्शन का खुलासा हो सके। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि यह गिरोह रेल मार्ग का उपयोग कर विभिन्न राज्यों में वन्यजीवों की तस्करी करता था।

नई श्रम संहिताओं के विरोध में भोपाल में प्रदर्शन, चारों लेबर कोड वापस लेने की मांग

संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा के आह्वान पर बैंक, बीमा व कर्मचारी संगठनों का धरना; सरकार पर संवाद के बिना कानून लागू करने का आरोप

भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई नई श्रम संहिताओं के विरोध में गुरुवार को राजधानी भोपाल में विभिन्न कर्मचारी और श्रमिक संगठनों ने धरना-प्रदर्शन किया। संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा के आह्वान पर बैंक, बीमा, बीएसएनएल, डाक विभाग और केंद्रीय कर्मचारी संगठनों से जुड़े कर्मचारी सड़कों पर उतरे और चारों श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग की।

शहर में पंजाब नेशनल बैंक के सामने कर्मचारियों ने धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि नई श्रम संहिताएं कर्मचारियों के अधिकारों को कमजोर करती हैं और स्थायी रोजगार की व्यवस्था को प्रभावित करती हैं। उनका आरोप है कि इन कानूनों के लागू होने से नौकरी की सुरक्षा घटेगी और श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा।

प्रदर्शन में आईएनटीयूसी, एआईटीयूसी, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, सेवा सहित कई प्रमुख ट्रेड यूनियनों ने भाग लिया। बैंक और बीमा क्षेत्र के कर्मचारियों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। कुछ संगठनों ने प्रतीकात्मक रूप से काम बंद कर अपना विरोध दर्ज कराया, जबकि अन्य ने प्रदर्शन में शामिल होकर समर्थन दिया।

यूनियन नेताओं ने कहा कि सरकार ने श्रमिक संगठनों से व्यापक संवाद किए बिना ही इन श्रम कानूनों को लागू किया है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध है। उनका कहना है कि किसी भी बड़े नीतिगत बदलाव से पहले संबंधित पक्षों से चर्चा जरूरी होती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से और व्यापक बनाया जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने अपनी प्रमुख मांगों में चारों श्रम संहिताओं और उनसे जुड़े नियमों को निरस्त करने की मांग रखी। इसके अलावा ड्राफ्ट सीड बिल, बिजली संशोधन विधेयक, शांति एक्ट (न्यूक्लियर एनर्जी कानून) को वापस लेने, मनरेगा को जारी रखने और रोजगार सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। साथ ही 'विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन अधिनियम 2025' को वापस लेने की भी मांग की गई।

हालांकि प्रदर्शन के बावजूद राजधानी में सामान्य जनजीवन पर सीमित असर देखने को मिला। अधिकांश बाजार खुले रहे और बैंक शाखाओं में कामकाज पूरी तरह बंद नहीं हुआ।

जीएमसी की एमबीबीएस छात्रा की मौत पर उठे सवाल, पिता बोले: 'मेरी बेटी जान नहीं दे सकती'

हॉस्टल के बाथरूम में मिला था रोशनी का शव, निष्पक्ष जांच की मांग; पुलिस और प्रबंधन की कहानी पर परिवार ने जताया संदेह

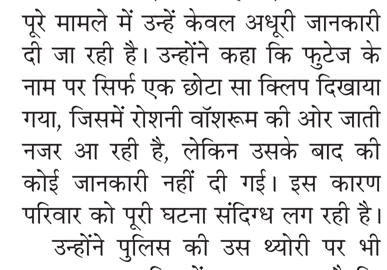

भोपाल। राजधानी के गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में एमबीबीएस छात्रा रोशनी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। छात्रा के पिता वंतर सिंह ने इस घटना पर कई गंभीर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उनका कहना है कि उनकी बेटी ऐसा कदम नहीं उठा सकती थी और मामले की सच्चाई सामने आनी चाहिए।

बताया जा रहा है कि 10 फरवरी को रोशनी का शव हॉस्टल के बाथरूम में मिला था। वह अलीराजपुर जिले की रहने वाली थी और भोपाल में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही थी। घटना की सूचना मिलने के बाद परिवार भोपाल पहुंचा, लेकिन पिता का आरोप है कि उन्हें सही जानकारी नहीं दी गई और कई बातों को उनसे छिपाया गया।

मीडिया से बातचीत में वंतर सिंह ने कहा कि उन्हें हॉस्टल और कॉलेज प्रबंधन की बातों पर भरोसा नहीं है। उन्होंने बताया कि सुबह करीब साढ़े बजे उन्हें पीजी की ओर से सूचना दी गई कि रात करीब दो बजे रोशनी वॉशरूम में गई और जहर पी लिया। उनका कहना है कि परिवार को जानकारी मिलने से पहले ही मीडिया में खबरें चलने लगी थीं और पुलिस को भी देर से सूचना दी गई।

पिता ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें बाथरूम के अंदर जाने नहीं दिया गया और पूरे मामले में उन्हें केवल अधूरी जानकारी दी जा रही है। उन्होंने कहा कि फुटेज के नाम पर सिर्फ एक छोटा सा क्लिप दिखाया गया, जिसमें रोशनी वॉशरूम की ओर जाती नजर आ रही है, लेकिन उसके बाद की कोई जानकारी नहीं दी गई। इस कारण परिवार को पूरी घटना संदिग्ध लग रही है।

उन्होंने पुलिस की उस थ्योरी पर भी सवाल उठाए, जिसमें कहा जा रहा है कि रोशनी ने एसिड पी लिया था। पिता का कहना है कि अगर ऐसा हुआ होता तो उसके कपड़े खराब क्यों नहीं हुए और मौके पर एसिड की बोतल भी क्यों नहीं मिली। उन्होंने पीजी वार्डन की भूमिका पर भी संदेह जताया और मामले की गहराई से जांच कराने की मांग की।

वंतर सिंह ने बताया कि घटना से कुछ समय पहले उनकी बेटी से बात हुई थी। वह पढ़ाई को लेकर थोड़ी चिंतित जरूर थी, लेकिन उसने भरोसा दिलाया था कि वह अपना सिलेबस पूरा कर लेगी। उन्होंने कहा कि रोशनी ने नीट परीक्षा में 400 से अधिक अंक हासिल कर खुद अपनी मेहनत से गांधी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश लिया था और वह अपने सपनों को लेकर काफी गंभीर थी।

इस घटना के बाद गांधी मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं की काउंसलिंग शुरू कर दी है। कॉलेज प्रबंधन का कहना है कि यदि कोई छात्र या छात्रा किसी प्रकार के मानसिक दबाव में है तो उनसे बातचीत कर सहायता दी जाएगी।

वहीं, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है, लेकिन परिवार लगातार निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग कर रहा है, ताकि रोशनी की मौत के पीछे की सच्चाई सामने आ सके। यह घटना न केवल कॉलेज परिसर बल्कि पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है और छात्र-छात्राओं की सुरक्षा व मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी कई सवाल खड़े कर रही है।

देशव्यापी हड़ताल का असर एमपी में भी, बैंक-बीमा व बीएसएनएल सेवाएं प्रभावित होने के आसार

6 हजार से अधिक बैंक शाखाओं पर पड़ सकता है असर; स्कूल-कॉलेज और बाजार सामान्य रहेंगे, कई कर्मचारी संगठन शामिल

भोपाल। केंद्रीय श्रमिक संगठनों द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को बुलाए गए देशव्यापी भारत बंद का असर मध्य प्रदेश में भी देखने को मिल सकता है। हड़ताल के चलते प्रदेश में बैंक, बीमा, बीएसएनएल और डाक विभाग से जुड़ी सेवाएं प्रभावित रहने की संभावना जताई जा रही है। हालांकि स्कूल-कॉलेज और बाजार खुले रहने की बात कही गई है, जिससे आम जनजीवन पर सीमित प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

संयुक्त ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर आईएनटीयूसी, एआईटीयूसी, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी और सेवा सहित कई कर्मचारी संगठनों ने हड़ताल को समर्थन दिया है। बैंक, बीमा, केंद्रीय कर्मचारी और बीएसएनएल से जुड़े कर्मचारी भी इस आंदोलन में शामिल हो रहे हैं। राजधानी भोपाल में होशंगाबाद रोड स्थित डाक भवन के सामने कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन और सभा का आयोजन प्रस्तावित है, जिसके पहले रैली भी निकाली जाएगी। ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन और बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया ने भी हड़ताल का समर्थन किया है। इसके कारण मध्य प्रदेश की 6 हजार से अधिक बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित हो सकता है। क्लियरिंग और अन्य बैंकिंग कार्यों में कर्मचारियों की कमी के चलते कई जगहों पर काम धीमा रहने या आंशिक रूप से ठप होने की स्थिति बन सकती है। मध्य प्रदेश बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार सरकारी के साथ निजी बैंक कर्मचारी भी हड़ताल में शामिल होंगे। हालांकि भारतीय स्टेट बैंक यूनियन ने समर्थन जरूर दिया है, लेकिन प्रत्यक्ष रूप से हड़ताल में शामिल नहीं होने की बात कही है। इसके चलते कुछ शाखाओं में सीमित कामकाज जारी रहने की संभावना है।

बीमा क्षेत्र में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के कर्मचारियों की भागीदारी से सेवाओं पर असर पड़ सकता है।

शाहपुरा थाना प्रभारी निलंबित, युवक को बिना केस पांच दिन हिरासत में रखने का मामला

भोपाल। भोपाल के शाहपुरा थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह ठाकुर को गंभीर लापरवाही के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त संजय कुमार के निर्देश पर जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद की गई। मामला एक चोरी के पुराने प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें संदेह के आधार पर एक युवक को बिना किसी लिखित कार्रवाई के पांच दिनों तक थाने में हिरासत में रखा गया था। जानकारी के अनुसार, अगस्त 2025 में हुई चोरी के मामले को दिसंबर में बंद कर दिया गया था। इसके बाद जनवरी में फरियादी ने एक युवक पर संदेह जताया। थाना प्रभारी के निर्देश पर 15 जनवरी को पुलिस टीम ने इंद्रा नगर मल्टी से 19 वर्षीय विजय उर्फ लड्डू पिल्लई को पूछताछ के लिए उठाया और थाने के ऐसे कमरे में रखा जहां सीसीटीवी नहीं लगे थे। पांच दिन तक पूछताछ के बाद भी युवक के खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं किया गया। 19 जनवरी को मौका पाकर वह सीढ़ियों के सहारे थाने की छत पर पहुंचा और वहां से कूदकर फरार हो गया। बाद में उसकी आमद और फरारी रोजनामचे में दर्ज की गई। जांच में कागजी हेरफेर और जिम्मेदारी दूसरों पर डालने की बात सामने आई, जिसके बाद थाना प्रभारी को निलंबित कर दिया गया।

संपादकीय

बांग्लादेश चुनाव बाद तय होगी दोस्ती या दुश्मनी

बांग्लादेश में अचानक जेन-ज़ी आंदोलन और हिंसा के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना अगस्त 2024 में सत्ता से हटते हुए भारत में शरण लेती हैं। इसके बाद प्रमुख सलाहकार यूनुस की अंतरिम सरकार सत्ता की बागडोर संभालती है और फिर अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को तोड़ने-मरोड़ने का खेल शुरु हो जाता है। सबसे भरोसेमंद और हितैषी पड़ोसी मित्र देश को दूर करने और दुश्मनों को गले लगाने का काम भी होता है। इस दौरान न हिंसा रुकती है और न ही हालात बदलते हैं। इसी के साथ चुनाव की तारीख भी सामने आ जाती है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का अवसर भर नहीं हैं, बल्कि वे देश की वैचारिक दिशा, लोकतांत्रिक विश्वसनीयता और पड़ोसी देशों खासकर भारत से रिश्तों की जमीन तय करने वाले निर्णायक मोड़ साबित होंगे। कुल 300 सीटों में से 299 सीटों पर मतदान और 'जुलाई चार्टर' पर जनमत संग्रह के साथ यह चुनाव कई स्तरों पर महत्वपूर्ण होने वाले है। बावजूद इसके जिस राजनीतिक माहौल में चुनाव कराए जा रहे हैं, उससे इसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर पहले से ही गंभीर प्रश्न खड़े हो गए हैं। सबसे बड़ा सवाल अवामी लीग को चुनाव लड़ने की अनुमति न दिए जाने को लेकर है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली यह पार्टी बांग्लादेश की राजनीति की केंद्रीय धुरी रही है। ऐसे में उसका चुनावी मैदान से बाहर होना लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की आत्मा को कमजोर करता है। अवामी लीग के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने चुनाव को सुनियोजित बताते हुए निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया को इस तरह से गढ़ा गया है कि एक विशेष विचारधारा को सत्ता में बनाए रखा जा सके। उन्होंने ऐसे चुनाव का बहिष्कार करने की अपील अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक से कर डाली। यहां कहना गलत भी नहीं होगा कि यदि विपक्ष का एक बड़ा दल ही चुनावी प्रक्रिया से बाहर हो, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः संदिग्ध हो जाती है। बहरहाल चुनाव हो रहे हैं ऐसे में जीत-हार के दावे भी सामने आ गए हैं। चुनावी मुकाबला मुख्यतः तारिक रहमान के नेतृत्व वाले बीएनपी गठबंधन और जमात-ए-इस्लामी व नेशनल सिटीजन पार्टी (एनसीपी) के 11 दलों के गठबंधन के बीच माना जा रहा है। अनुमानित वोट प्रतिशत बताता है, कि मुकाबला कांटे का है। 13 वर्षों के प्रतिबंध के बाद जमात-ए-इस्लामी का चुनावी मैदान में लौटना भी एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2008 के बाद पहली बार वह चुनाव लड़ रही है। खुद को मुख्यधारा की राजनीति में स्थापित करने के प्रयास में जमात ने इस बार एक हिंदू उम्मीदवार को टिकट दिया है, हालांकि किसी महिला को उम्मीदवार नहीं बनाए जाने को लेकर जमात सुर्खियां भी बटोर रही है। इस मामले में पार्टी का तर्क है कि महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है, लेकिन यह तर्क समावेशी राजनीति की कसौटी पर अधूरा लगता है। बांग्लादेश के आम चुनाव का एक बड़ा आयाम विदेश नीति भी है। जमात-ए-इस्लामी के नेताओं ने संकेत दिए हैं कि वे सम्मान और मर्यादा के आधार पर विदेश संबंधों को पुनर्परिभाषित करना चाहते हैं। पिछले 16 वर्षों की विदेश नीति को एक देश अर्थात भारत केंद्रित बताकर उसकी आलोचना की जा रही है। तीस्ता जल बंटवारा, सीमा पर होने वाली घटनाएं और साझा नदियों के पानी का मुद्दा प्रमुख चुनावी विषय बन चुके हैं। यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश में भारत के साथ संबंध अब निर्विवाद नहीं रहे। यदि नई सरकार भारत के प्रति अधिक कठोर रुख अपनाती है, तो द्विपक्षीय रिश्तों में तनाव और बढ़ सकता है। सुरक्षा कारण बताकर भारत द्वारा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक न भेजना भी इन्हीं संकेतों की ओर इशारा करता है। यह या तो सतर्क दूरी का संकेत है या फिर आंतरिक परिस्थितियों को लेकर एक प्रकार की प्रतीक्षा की नीति। वैसे यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत के लिए बांग्लादेश केवल पड़ोसी देश ही नहीं है, बल्कि सामरिक, आर्थिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण साझेदार भी है। सीमा सुरक्षा, पूर्वोत्तर भारत की स्थिरता, आतंकवाद-रोधी सहयोग और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी इन सभी पर ढाका की राजनीतिक दिशा का सीधा असर पड़ता है। चिंता का विषय यह भी है कि चुनावी विमर्श में वैचारिक ध्रुवीकरण बढ़ता दिख रहा है। यदि कट्टरपंथी ताकतें मजबूत होती हैं, तो अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदू समुदाय की सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द पर प्रश्नचिह्न लग सकते हैं। बांग्लादेश ने पिछले दशक में आर्थिक प्रगति और सामाजिक सूचकांकों में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया है। राजनीतिक अस्थिरता या वैचारिक टकराव इस उपलब्धि को कमजोर कर सकता है। ऐसे में यह चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र, धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और क्षेत्रीय संतुलन की परीक्षा है। नई सरकार यह तय करेगी कि देश सहयोग और संवाद की राह पर चलेगा या टकराव और अविश्वास की ओर मुड़ेगा। भारत और बांग्लादेश के संबंध इतिहास, भूगोल और साझा संघर्षों से जुड़े हैं। उम्मीद यही की जानी चाहिए कि ढाका में जो भी सत्ता में आए, वह राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और सहयोग को प्राथमिकता देगा। क्योंकि अंततः स्थिर, समावेशी और संतुलित बांग्लादेश ही पूरे दक्षिण एशिया के हित में है।

डॉ हिदायत अहमद खान

राज काज

मलेशिया में प्रधानमंत्री मोदी की चिंता?

मलेशिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद पर दौहरा मानदंड नहीं चलेगा। भारत और मलेशिया ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ाई लड़ने का फैसला किया है। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने मलेशिया में तमिलों को लेकर कहा मलेशिया और पूर्व दक्षिण एशिया के देशों में बड़ी संख्या में तमिल रहते हैं। उनके प्रति मोदी ने प्रेम प्रदर्शित किया। प्रधानमंत्री जहां जाते हैं,वहां कोई ना कोई चुनावी रणनीति को पूरा करके आते हैं। अगले कुछ महीनो में तमिलनाडु विधानसभा के चुनाव हैं। विदेश में बसे तमिलों के प्रति उन्होंने तमिल भाषा के प्रति प्रेम प्रदर्शित कर तमिलनाडु चुनाव की बिसात बिछा दी है।

नक्सलवाद को लेकर शाह के दावे ?

गृहमंत्री अमित शाह द्वारा नक्सलवाद को लेकर कई महीनो से बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। लेकिन नक्सलवाद उनके पीछा नहीं छोड़ रहा है। छत्तीसगढ़ में गृहमंत्री पहुंचे। कुछ दिन पहले वहां नक्सलवादियों को मारा गया है।पिछले 1 साल से नक्सलवाद को खत्म करने की कार्रवाई चल रही है। सरकार ने 31 मार्च की समय सीमा तय की है। इस समयसीमा में सैकड़ो नक्सलवादी अभी तक मारे जा चुके हैं। हजारों नक्सलवादियों ने सरकार के समक्ष समर्पण कर दिया है।बार-बार नए-नए दावे सरकार के आते हैं। कुछ समय के बाद वहां नक्सली घटनाएं भी सामने आती हैं। जो गृहमंत्री के दावे के विपरीत होते हैं। जैसे ही गृहमंत्री कोई दावा करते हैं। उसके तुरंत बाद कोई ना कोई नक्सली घटना हो जाती है। किसकी ताकत ज्यादा है, यह तो भगवान ही जानते हैं।

संघ कहेगा तो भागवत पद छोड़ेंगे?

संघ के 100 वर्ष का सफर पूरा होने के बाद संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है। यदि संघ कहेगा तो वह अपना पद छोड़ देंगे।उन्होंने कहा कि संघ में उत्तराधिकारी चुनकर रिटायर होने की परंपरा रही है। अगर संघ चाहेगा तो वह अपना पद छोड़ देंगे।उन्होंने इस बात को स्पष्ट नहीं किया, वह अपना उत्तराधिकारी स्वयं चुनेंगे या उनके उत्तराधिकारी का चयन कहीं और से होगा।

समाज की चेतना जगाने वाले स्वामी दयानंद

योगेश कुमार गोयल

स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती पर विशेष

आर्य समाज के संस्थापक के रूप में वंदनीय महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था और 12 फरवरी को उनकी जयंती मनाई जाएगी। स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदशक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छोड़कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और एक सन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया।

देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और 'स्वराज' का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने अपनाया और 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया। जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब 'सत्यार्थ प्रकाश' आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें 'सन्यासी योद्धा' भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे। स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए।

अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, सन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे। स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा 'हिन्दी' बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि 'मनुष्यता' और 'आत्मविवेक' क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे। दरअसल उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं, इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

ललित गर्ग

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है। लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक बड़ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं। विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है।

जरा हटके

चीन ने बनाया दुनिया का सबसे छोटा हथियार

बीजिंग, ईएमएस। चीनी वैज्ञानिकों ने रक्षा तकनीक के क्षेत्र में एक ऐसी बड़ी सफलता हासिल की है, जो भविष्य के युद्धों का स्वरूप पूरी तरह बदल सकती है। शोधकर्ताओं ने एक बेहद शक्तिशाली और कॉम्पैक्ट ऊर्जा जनरेटर विकसित किया है, जिसे विशेष रूप से एलन मस्क के स्टारलिंक जैसे विशाल सैटेलाइट नेटवर्क को निष्क्रिय करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस हथियार की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह अंतरिक्ष में बिना कोई मलबा फैलाए दुश्मन के उपग्रहों को पूरी तरह बेकार करने में सक्षम है।

यही कारण है कि रक्षा विशेषज्ञ इसे चीन का स्टारलिंक किलर कह रहे हैं। आकार और शक्ति के मामले में यह तकनीक बेजोड़ है। नॉर्थवेस्ट इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित इस हाई-पावर माइक्रोवेव हथियार, जिसे टीपीजी 1000सीएस नाम दिया गया है, की लंबाई मात्र 4 मीटर है और वजन केवल 5 टन है। अपने छोटे आकार और हल्के वजन के कारण इसे आसानी से ट्रकों, लड़ाकू विमानों या अन्य उपग्रहों पर तैनात किया जा सकता है। यह हथियार अपने भीतर से निकलने वाली विनाशकारी सूक्ष्म तरंगों के जरिए दुश्मन के उपग्रहों के इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम को तुरंत भस्म कर देता है। तकनीकी रूप से इस हथियार को बेहद उन्नत बनाया गया है। इसमें मिडिल 7131 नामक एक विशेष तरल इन्सुलेटिंग सामग्री का उपयोग किया गया है, जो इसकी ऊर्जा भंडारण क्षमता को कई गुना बढ़ा देती है और ऊर्जा के नुकसान को कम करती है। चीन के इस कदम के पीछे मुख्य कारण रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान स्टारलिंक का सैन्य इस्तेमाल है। चीनी विशेषज्ञों का मानना है कि हजारों उपग्रहों का जाल उनकी अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। पारंपरिक मिसाइलों से उपग्रहों को मार गिराने पर अंतरिक्ष में भारी मलबा पैदा होता है, जो भविष्य में खुद चीन के उपग्रहों के लिए भी खतरा बन सकता है। ऐसे में यह माइक्रोवेव तकनीक चीन को बिना किसी भौतिक अवशेष या कचरे के अपने दुश्मनों पर बढ़त दिलाने में सक्षम बनाएगी।

फोटो ऑफ द डे

ढ़ाका में सुरक्षाकर्मी मतदान केन्द्रों की सुरक्षा के लिए पहुंचे।

व्यंग

मिलावटी बातें

अभिमन्यु जैन

मिलावटी बातें करने वाले का बोलबाला, सच बोलने वाले के मुँह पर ताला। दिखावटी, बनावटी, सजावटी इन सब पर भारी, मिलावटी। देश की संसद में मिलावटी बातें हो रही हैं। जनता राजनीति के मिलावटी वादों और बातों से, परेशान है। इनका कहीं अंत नहीं दिखता। मिलावटी माल खाते खाते जनता की पाचन क्रिया ऐसी हो गई कि शुद्ध घी, दूध, तेल मिर्च, मसाला, फल सब्ज़ी हमें हजम ही नहीं हो रही। होटलों के खाने का हमें ऐसा चस्का लगा कि घर का खाना ही भूल गए। मिलावट हमारे खान पान में ही नहीं, हमारे आचार-विचार, व्यव्हार, रहन सहन में भी शामिल हो गई। हमारे बोलने, बताने, सोचने, समझने में भी मिलावट हो गई। हमारी बातें मिलावटी हो गई - भैया ऑफिस की मैडम से खूब खिल खिला के बात करते हैं और घर में पत्नी से सीधे मुँह बात नहीं करते। यूं कहें कि हमारे चरित्र में मिलावट हो गई है। मिलावटी बातों की जरूरत - जब हमें किसी भ्रस्ट अधिकारी से काम निकलवाने थोथी, झूँठी, प्रसन्शा करना हो, किसी महाउल्लु ह्यद्द ड्डश्चठ्ठड्ड उल्लू सीधा करना हो, किसी पिटे हुए नेता के दरबार में हाजरी लगाना हो, किसी भयंकर किस्म के दगाबाज, मक्कार, जिसने चूना लगाने में अपने बाप को भी न छोड़ा हो, कोई ऐसा वकील जिसने अदालत में कभी कोई केस न जीता हो , किसी घूंस खोर पुलिस ऑफिसर को हरिश्चंद्र , अपना काम निकालने, कहना पड़ा ..... आदि आदि जो जितना बड़ा धूर्त होता है, वह उतनी ही मिलावटी बातें करता है। उसकी बोली में इतनी मिठास कि सुनने वाले को सुगर हो जाये। मिलावटी बातें करते समय, चेहरे के साथ साथ इसके आँखि, कान, नाक, होंठ, दांत, सब अपर- डिपर करते हैं। इतने पर भी से संतोष न होने पर मिलावटी रायता फैला, बात बात में अल्ला कसम जरूर खाता है। मिलावटी बातें करने वाले पक्के ईमानदार श्रोता चाहते हैं, जो धौर्य पूर्वक बातें सुने,। बीच में टोंक के , खेल का नाश न करे। मौका बखत जरूरत मुताबिक, हूँ -हाँ करे। और मुख्य बात यह कि श्रोता निस्वार्थ भाव से, बिना किसी अपेक्षा के निरंतर उपस्थित रहें। आज के जमाने में खाद्य पदार्थों की शुद्धता की जाँच करना आसान है किंतु मिलावटी बातों की जाँच करना कठिन है । कई बार मिलावटी बातें करने वाले को मुँह की खानी पड़ती है। मिलावटी बातों को नापने का कोई यंत्र नहीं बना और न ही मिलावटी बातें करने वाले को दंडित करने का विधान बना। एक सज्जन जो साहित्य लेखन से जुड़े हैं, वे शहर में, बाहर से आये अतिथि विद्वान को जुगाड़ लगा अपने निवास पर जरूर बुलाते हैं और अपनी बीस साल पुरानी पुस्तक समीक्षा हेतु भेंट करते हैं, इस बार पुस्तक भेंट के कार्यक्रम अतिथि उन्हें अपनी 21 साल पुरानी पुस्तक समीक्षा के नाम पर भेंट कर गये। यह दृश्य देख कजलियों की याद ताजा हो गई। कजलियों का परस्पर आदान, प्रदान होता है, ली और दी जाती हैं। रिश्तेदारी में लड़का लड़की की शादी के समय भी खूब मिलावटी बातें होती हैं। शादी वाले दलाल लड़के वालों की हैसियत खूब बढ़ा चढ़ा कर बतलाते हैं।

चिंतन-मनन

आध्यात्मिक आकाश का प्रकाश

चिन्मय आकाश में न तो सूर्यप्रकाश की आवश्यकता है, न चन्द्रप्रकाश अथवा अग्नि या बिजली की, क्योंकि सारे लोक स्वयं प्रकाशित हैं। इस ब्रह्मांड में केवल एक लोक- सूर्य, ऐसा है जो स्वयं प्रकाशित है। लेकिन आध्यात्मिक आकाश में सभी लोक स्वयं प्रकाशित हैं। उन समस्त लोकों के (जिन्हें वैकुण्ठ कहा जाता है) चमचमाते तेज से चमकीला आकाश बनता है, जिसे ब्रह्मज्योति कहते हैं। इस तेज का एक अंश महत-तत्व अर्थात जगत से आच्छादित रहता है। जब तक जीव इस अंधकारमय जगत में रहता है, तब तक वह बद्ध अवस्था में होता है। लेकिन ज्यों ही वह भौतिक जगत रूपी मिथ्या, विकृत वृक्ष को काटकर आध्यात्मिक आकाश में पहुंचता है, त्यों ही मुक्त हो जाता है। तब वह यहां वापस लेकिन अपनी मुक्त अवस्था में आध्यात्मिक राज्य में प्रवेश करता है और परमेर का पाषर्द बन जाता है। वहां पर वह सच्चिदानंदमय जीवन बिताता है। जो इस संसार से अत्यधिक आसक्त है, उसके लिए इस आसक्ति का छेदन करना दुष्कर होता है। लेकिन यदि वह कृष्णभावनामृत को ग्रहण कर ले, तो उसके क्रमशः छूट जाने की संभावना है। उसे ऐसे भक्तों की संगति करनी चाहिए जो कृष्णभावनाभावित होते हैं। उसे ऐसा समाज खोजना चाहिए, जो कृष्णभावनामृत के प्रति समर्पित हो और उसे भक्ति करनी सीखनी चाहिए।

स्वास्थ्य

गर्दन और पीठ दर्द में एक्सरसाइज से मिलेगी राहतः विशेषज्ञ

नई दिल्ली, ईएमएस। लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल के इस दौर में गर्दन, कंधों और पीठ दर्द के मरीज ज्यादा बढ रहे हैं। सर्वाइकल पेन, बैक पेन और 'टेक नेक' जैसी समस्याएं अब आम होती जा रही हैं। अगर काम करते समय सही पोस्चर अपनाया जाए और रोजाना कुछ आसान एक्सरसाइज की जाएं, तो इन परेशानियों से काफी हद तक बचा जा सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक लैपटॉप या कंप्यूटर स्क्रीन को आंखों के लेवल पर रखना बेहद जरूरी है। इससे गर्दन आगे की ओर झुकने से बचती है और सर्वाइकल पर दबाव कम पड़ता है। सही पोस्चर में पीठ सीधी होनी चाहिए, कंधे रिलैक्स्ड रहें और गर्दन को पूरा सपोर्ट मिलना चाहिए। कंप्यूटर स्क्रीन आंखों के बराबर या थोड़ा नीचे हो, ताकि सिर को बार-बार ऊपर-नीचे न करना पड़े। कीबोर्ड की पोजिशन भी उतनी ही अहम है। एक्सपर्ट्स बताते हैं कि कीबोर्ड इस तरह रखा जाना चाहिए कि कोहनियां लगभग 90 से 100 डिग्री के कोण पर रहें। डेस्क पर कीबोर्ड को एल्बो लेवल या उससे थोड़ा नीचे रखने से कंधों और गर्दन पर पड़ने वाला दबाव कम हो जाता है। लैपटॉप यूजर्स के लिए स्टैंड का इस्तेमाल सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है, क्योंकि लैपटॉप की स्क्रीन आमतौर पर नीचे होती है, जिससे 'टेक नेक' की समस्या बढ़ती है। गर्दन की एक्सरसाइज को लेकर भी विशेषज्ञ खास जोर देते हैं।

सुविचार

सभी व्यक्ति प्राकृतिक रूप से सामान हैं, एक ही मिटटी से एक ही कर्मकार द्वारा बनाये गए;और भले ही हम खुद को कितना भी धोखें में रख लें पर भगवान को जितना प्रिय एक शसक्त राजकुमार है उतना ही एक गरीब किसान। -अज्ञात

प्रसंगत

धर्मों की एकता

एक बार हकीम अजमल खां, डॉ. अंसारी तथा उनके कुछ मुस्लिम मित्र स्वामी श्रद्धानंद से मिलने गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार पहुंचे। उस समय गुरुकुल की विशाल यज्ञशाला में हवन हो रहा था। स्वामी श्रद्धानंद के सभी मुस्लिम मित्र उस आयोजन को कौतूहल से देखने लगे। जब हवन समाप्त हो गया तो स्वामी जी ने स्नेहपूर्वक सभी साथियों का स्वागत किया। फिर सब बैठकर बातें करने लगे। कुछ देर बातें करने के बाद स्वामी जी ने अपने मित्रों से कहा, 'खाने का समय हो रहा है। चलिए भोजन कर लें।

बाकी बातें हम खाना खाने के बाद करेंगे।' यह सुनकर उन अतिथियों में से एक बोला, 'स्वामी जी, यह समय हमारी नमाज का है, कृपया आप हमें कोई ऐसा स्थान बताइए जहां पर हम नमाज पढ़ सकें। भोजन हम नमाज पढ़ने के बाद ही करेंगे।' यह सुनकर स्वामी जी बोले, 'हवन समाप्त हो चुका है, यज्ञशाला खाली पड़ी है। आप सब यहां नमाज पढ़ सकते हैं।' यह सुनकर उनके मुस्लिम साथियों में से एक बोला, 'स्वामी जी, पर यह तो आपके हवन और पूजापाठ की जगह है। यहां पर हम कैसे....।' स्वामी जी उस व्यक्ति की बात बीच में काटते हुए बोले, 'भाई, यह यज्ञशाला वंदना के लिए है, वह चाहे पूजा के रूप में हो या नमाज के रूप में। बात तो एक ही है। सभी धर्मों का एक ही उद्देश्य है- एकता, प्रेम एवं शांति बनाए रखना।

मतदान करने के साथ ही बोले यूनुस आज आजादी जैसा दिन

बांग्लादेश में 299 सीटों पर मतदान, बीएनपी और जमात में है कड़ा मुकाबला

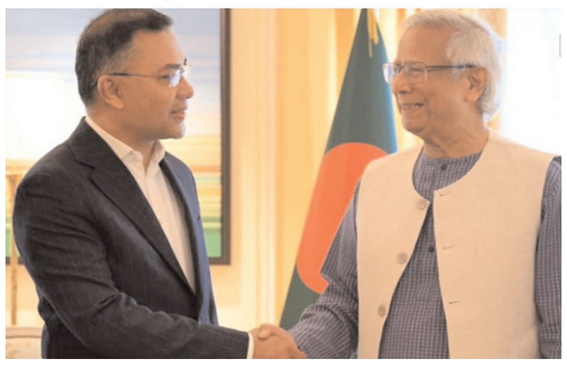

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव के लिए गुरुवार सुबह मतदान शुरु हो गया। मताधिकार का उपयोग करने के साथ ही अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने इसे देश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। उन्होंने कहा, आज पूरे बांग्लादेश के लिए खुशी और आजादी जैसा दिन है। यह हमारे बुरे सपने का अंत और एक नए सपने की शुरुआत है।

दरअसल बांग्लादेश की 300 सदस्यीय संसद में से 299 सीटों पर वोट डाले जा रहे हैं, जबकि शेरपुर-3 सीट पर एक उम्मीदवार के निधन के बाद चुनाव रद्द कर दिया गया है। इस बार 51 राजनीतिक दल चुनावी मैदान में हैं, लेकिन मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और जमात-ए-इस्लामी के बीच माना जा रहा है।

चुनाव में करीब 12 करोड़ 77 लाख मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर रहे हैं। 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' प्रणाली के तहत हो रहे इस मतदान में युवाओं की भूमिका अहम मानी जा रही है। लगभग आधे मतदाता 18 से 37 वर्ष आयु वर्ग के हैं, जिनमें करीब 45.7 लाख मतदाता पहली बार वोट डाल रहे हैं।

यहां मोहम्मद यूनुस ने मतदान के बाद इसे देश के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया। वोट डालने के बाद उन्होंने कहा, आज पूरे बांग्लादेश के लिए खुशी और आजादी जैसा दिन है। यह हमारे बुरे सपने का अंत और एक नए सपने की शुरुआत है। हमें हर स्तर पर मिलकर नया बांग्लादेश बनाना है। उन्होंने नागरिकों से बड़ी संख्या में मतदान करने की अपील की और सभी को ईद मुबारक कहा।

बांग्लादेश में मतदान शुरू- तारिक रहमान और जमात की नई रणनीति पर टिकी निगाहें

ढाका। बांग्लादेश के राजनीतिक इतिहास में एक नए अध्याय की शुरुआत करते हुए आज, गुरुवार को आम चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई है। अगस्त 2024 में हुए व्यापक जन-आक्रोश और शेख हसीना सरकार के पतन के बाद यह देश का पहला आम चुनाव है। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। शाम सा? 4 बजे तक चलने वाले इस मतदान को 2009 के बाद देश का पहला असली मुकाबला माना जा रहा है, क्योंकि इसमें सत्ताधारी अवामी लीग की अनुपस्थिति के बीच मुख्य विपक्षी दलों के बीच सीधी टक्कर है। लगभग 17 करोड़ की आबादी वाले इस देश में 12 करोड़ से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के योग्य हैं।

एपस्टीन फाइल्स में कई प्रभावशाली लोगों के नाम छिपाए गए, अमेरिका में फिर भूचाल।

ट्रंप और नेतन्याहू की गुप्त बैठक: ईरान के साथ कूटनीति और मिडनाइट हैमर की चेतावनी पर चर्चा

वॉशिंगटन। मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को व्हाइट हाउस में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक की। लगभग तीन घंटे तक बंद कमरे में चली इस मुलाकात ने वैश्विक कूटनीति के गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। बैठक का मुख्य केंद्र बिंदु ईरान का परमाणु कार्यक्रम और इस क्षेत्र में भविष्य की रणनीतियां थीं। हालांकि बैठक के बाद कोई संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की गई, लेकिन दोनों नेताओं के अलग-अलग बयानों से स्पष्ट है कि ईरान के मुद्दे पर दृष्टिकोण में कुछ अंतर के बावजूद रणनीतिक तालमेल बना हुआ है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैठक के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से जानकारी दी कि चर्चा सकारात्मक रही, हालांकि किसी अंतिम समझौते पर मुहर नहीं लगी है। ट्रंप ने इजरायल के संदेहों के बावजूद ईरान के साथ कूटनीतिक बातचीत के मार्ग को खुला रखने की वकालत की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि एक व्यावहारिक समझौता संभव है, तो वह सबसे बेहतर विकल्प होगा। इसके साथ ही उन्होंने ईरान को पिछली सैन्य कार्रवाई की याद दिलाते हुए अप्रत्यक्ष चेतावनी भी दी। ट्रंप ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर का उल्लेख किया, जिसके तहत पिछले साल अमेरिका ने ईरानी परमाणु ठिकानों पर बमबारी की थी। उन्होंने कहा कि पिछली बार समझौते से पीछे हटने के कारण ईरान को भारी कीमत चुकानी पड़ी थी और इस बार अमेरिका एक ज्यादा जिम्मेदार व्यवहार की उम्मीद करता है।

दूसरी ओर, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का रुख इजरायल की सुरक्षा चिंताओं को लेकर अडिग रहा। उनके कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप के समक्ष स्पष्ट किया कि इजरायल अपनी सुरक्षा जरूरतों से कोई समझौता नहीं करेगा। इजरायली सुरक्षा हलकों में यह आशंका प्रबल है कि ईरान के साथ किया गया कोई भी सीमित समझौता उसकी परमाणु और सैन्य क्षमताओं को रोकने में नाकाफी साबित होगा। नेतन्याहू ने ईरान के साथ-साथ गाजा और पूरे मध्य पूर्व के सुरक्षा हालात पर चर्चा की और अमेरिका के साथ निरंतर समन्वय बनाए रखने पर सहमति जताई।

पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा अस्पताल में भर्ती

रावलपिंडी। पाकिस्तान के पूर्व सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा एक आकस्मिक दुर्घटना के बाद रावलपिंडी के मिलिट्री अस्पताल में उपचाराधीन हैं। अस्पताल और पारिवारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनरल बाजवा बुधवार सुबह अपने घर के वॉशरूम में अचानक फिसलकर गिर गए। इस हादसे में उनके सिर पर तीन गंभीर चोटें आईं, जिसके तुरंत बाद उन्हें सैन्य अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि सिर की चोट की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों की एक विशेषज्ञ टीम ने तत्काल उनके स्वास्थ्य का आकलन किया और ऑपरेशन का निर्णय लिया। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, जनरल बाजवा के सिर की सर्जरी सफलतापूर्वक संपन्न हो चुकी है। चिकित्सा टीम उनकी स्थिति पर चौबीसों घंटे निगरानी रखे हुए है। डॉक्टरों का कहना है कि उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन उन्हें पूरी तरह स्वस्थ होने में अभी कुछ सप्ताह का समय लग सकता है। उनकी रिकवरी की गति को देखते हुए ही भविष्य का मेडिकल बुलेटिन जारी किया जाएगा। जनरल बाजवा की अचानक तबीयत बिगड़ने और सर्जरी की खबर मिलते ही पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य गलियारों में चिंता की लहर दौड़ गई। कई वरिष्ठ अधिकारियों और राजनेताओं ने उनके स्वास्थ्य के प्रति संवेदना व्यक्त की है। बाजवा परिवार ने शुभचिंतकों से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ करने की अपील की है, साथ ही मीडिया से इस कठिन समय में परिवार की निजता का सम्मान करने का अनुरोध किया है।

जनरल कमर जावेद बाजवा पाकिस्तान के सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली सैन्य नेतृत्वकर्ताओं में से एक रहे हैं।

रूस में व्हाट्सएप पर लग सकती है रोक, स्वदेशी ऐप मैक्स को बढ़ावा देने की तैयारी

मॉस्को। रूस की सरकार और दुनिया के सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप के बीच तकनीकी तनाव चरम पर पहुंच गया है। हाल ही में व्हाट्सएप ने खुलासा किया है कि रूसी अधिकारियों ने देश में उसकी सेवाओं को पूरी तरह से बाधित करने और ब्लॉक करने का प्रयास किया है। इस कदम को रूस की उस नई डिजिटल नीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसके तहत विदेशी तकनीकी कंपनियों पर अंकुश लगाकर सरकारी और स्वदेशी ऐप्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। विशेष रूप से, रूसी सरकार अपने नए प्लेटफॉर्म मैक्स को व्हाट्सएप के विकल्प के तौर पर स्थापित करना चाहती है।

रूस में व्हाट्सएप का उपयोग करने वालों की संख्या करीब 100 मिलियन (10 करोड़) से अधिक है।

पाकिस्तान के स्पिनर तारिक के एक्शन पर उठे सवाल, बचाव में उतरे अश्विन।

भारतीय बल्ले विश्वस्तरीय, उनको लेकर मेरे बयान को गलत समझा गया : राजपक्षा

कोलंबो। श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षा ने भारतीय खिलाड़ियों के बल्ले को लेकर दिये गये अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि उनकी बात का गलत अर्थ निकाला गया है। वह तो भारतीय क्रिकेट और उनके खेल से जुड़े साजो सामान की की प्रशंसा ही कर रहे थे। इससे पहले राजपक्षा ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के बैट इसने अच्छे दिखते है जैसे की वे मोडिफाइड हों। ऐसा लगता है उनपर रबड़ की एक परत लगी हुई है और सबसे खास बात ये है कि कोई अन्य इन बल्लों को नहीं खरीद सकता है। श्रीलंकाई क्रिकेटर की इस टिप्पणी को बैट-टैंपरिंग के रूप में लिय गया। ये भी कहा गय कि वह भारतीय बल्लेबाजों के बल्लों पर सवाल उठाल रहे हैं। उनपर मानकों से हटकर अगल बल्ला इस्तेमाल करने का आरोप लगा रहे हैं। इसी विवाद को लेकर अब राजपक्षा ने कहा है कि उनकी बात को गलत समझा गया है।

राजपक्षा ने कहा था, 'हम जो सबसे अच्छे बल्ले पा सकते हैं, उससे भी कहीं बेहतर बल्ले भारतीय खिलाड़ियों के पास हैं। ऐसा लगता है कि जैसे उस पर रबड़ की कोई परत सी लगी हुई हो। मैं ये कल्पना नहीं कर सकता कि ऐसे बल्ले बनना कैसे संभव हो सकता है। खास बात से है कि इनका दूसरे खरीद तक नहीं सकते।' राजपक्षा के इस बयान के बाद भारतीय टीम के बल्लों को लेकर सवाल उठने लगे थे। ये कहा जाने लगा कि क्या भारतीय खिलाड़ी किसी खास तरह का बल्ला या मॉडिफाइड बैट का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि इसे लेकर किसी ने भी आईसीसी से कोई आधिकारिक शिकायत नहीं दर्ज कराई है। विवाद बढ़ता देख राजपक्षा ने कहा कि उनका इरादा कोई सवाल उठाना नहीं था। वह तो भारतीय खिलाड़ियों और वहां के क्रिकेट की प्रशंस कर रहे थे। साथ ही कि भारतीय क्रिकेट अविश्वसनीय रूप से बहुत आगे है, उसके खेल ढ़ांचे से लेकर उपकरणों की गुणवत्ता विश्व में सबसे बेहतर है।

स्टोक्स जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से कर सकते हैं। वापसी करेंगे

लंदन। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स की सर्जरी सफल रही है और वह अब उससे उबर रहे हैं। स्टोक्स की जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी होने की संभावना है। तब इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे पहले वह काउंटी चैंपियनशिप में डरहम की ओर से खेलकर अपनी फिटनेस हासिल करने का प्रयास करेंगे। स्टोक्स इस दौरान खेल से संबंध बनाये रखने के लिए कोचिंग भी करना चाहते हैं। वह अबू धाबी में पाकिस्तान शाहीन के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए मोईन अली और एंड्रयू फ्लिंटॉफ के साथ इंग्लैंड लायंस के कोचिंग स्टाफ में भी शामिल हैं। चयनकर्ताओं के मुताबिक, फरवरी और मार्च में होने वाली इस सीरीज में तीन टी20 मैचों के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम और पांच 50-ओवर के मैचों के लिए 16 खिलाड़ियों का ग्रुप होगा। स्टोक्स के सामने असली चुनौती टेस्ट कप्तान के रूप में इंग्लैंड के प्रदर्शन को को फिर से बेहतर बनाना है। टीम की आकामक बैजबॉल रणनीतिक पिछले कुछ समय में असफल रही है और उसे एशेज सहित कई बड़ी सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में 4-1 से हार के बाद स्टोक्स और मैकुलम की कप्तान-कोच की जोड़ी पर सवाल उठे थे। स्टोक्स को चोट तब लगी थी जब वह नेट्स के किनारे खड़े थे। पिछले सप्ताह उन्होंने सोशल मीडिया में कहा था कि उन्हें सर्जरी करानी है। स्टोक्स गत माह सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के दौरान एडक्टर इंजरी के कारण खेल से बाहर हो गये थे।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

मुम्बई। इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था। टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था। बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है। बटलर के लिए सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था। गौरतलब है कि अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है। बटलर को 60 मिनट इस रिकॉर्ड कैच के लिए मिले थे। 50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी। पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है। दगए वीडियो में बटलर केविन पीटरसन से ये कहते हुए भी नजर आए कि ये करना मुश्किल है, जबकि वर्ल्ड कप जीतना आसान है। बटलर ने ये भी कहा कि महेन्द्र सिंह धोनी और एडम गिलक्रिस्ट ने भी अब तक कभी इस प्रकार से कैच नहीं पकड़ा है। बटलर के लिए पहले गुलाबी गेंद हवा में ड्रोन से गिराई जा रही थी, जिसे वह पकड़ नहीं पा रहे थे तो उन्होंने सफेद गेंद से कैच पकड़ने के लिए कहा। सफेद गेंद से परेशानी पैदा कर रही थी तो उन्होंने फिर से लाल गेंद ली। इसके बाद 122 मीटर की दूरी वाला कैच पकड़ लिया और नया विश्व रिकॉर्ड कायम कर दिया।

रणजी ट्रॉफी के लिए विजयकुमार की कर्नाटक टीम में वापसी

बेंगलुरु। कर्नाटक ने तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार को उत्तराखंड के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए अपनी टीम में शामिल कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबला 15 फरवरी से लखनऊ में खेला जाएगा। वैसाख चोटिल होने के कारण पिछले दो दौर से टीम के साथ नहीं थी। अब जबकि वह फिट हो गये हैं। टीम ने राहत की सांस ली है। उनके आने से टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। अब विजयकुमार को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिल गयी है। उन्हें तेज गेंदबाज एम वेंकटेश की जगह टीम में शामिल किया गया है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी की जिम्मेदारी मयंक अग्रवाल, करुण नायर पर भी रहेगी। टीम की कप्तानी देवदत्त पडिक्कल करेंगे। पूर्व क्रिकेटर येरे गौड़ की कोचिंग में आठ बार की विजेता रही कर्नाटक ने क्वार्टरफाइनल में मुंबई को चार विकेट से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया है।

कर्नाटक टीम

देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, केएल राहुल, केवी अनीश, करुण नायर, आर स्मरण, श्रेयस गोपाल, कृतिक कृष्णा, विद्वथ कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहसिन खान, शिखर शेट्टी, केएल श्रीजीत, वैसाख विजयकुमार।

आईसीसी ने नबी पर जुर्माना लगाया

अहमदाबाद। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज मोहम्मद नबी पर आचार संहित उल्लंघन के मामले में जुर्माना लगाया है। नबी पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह नियम अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के निर्देश को न मानने से जुड़ा है। जुर्माने के अलावा नबी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मक अंक भी जोड़ा गया है। पिछले 24 महीने में उनकी यह पहली गलती थी। यह मामला अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर का है जब नबी की अंपायरों के साथ गेंदबाज लुंगी एनगिडी के कलाई बैंड को लेकर बहस हो गयी। नबी ने अपनी गलती मान ली है और एमिरेट्स आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड गिल्बर्ट की सजा को भी स्वीकार कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

महिला कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष का मैहर आगमन कल

मैहर (ब्यूरो)। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती रीना बौरासी सेतिया अपने संगठनात्मक दौरे के तहत कल 14 फरवरी को मैहर पहुंच रही हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा जिम्मेदारी मिलने के बाद रीना बौरासी सेतिया का यह दौरा महिला कांग्रेस को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने और आगामी रणनीतियों को धार देने के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष सुबह 9 बजे सतना से कार द्वारा मैहर के लिए प्रस्थान करेंगी। सुबह 10 बजे मैहर आगमन होगा और मां शारदादेवी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगी। दर्शन के उपरांत जिला कांग्रेस कार्यालय में महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार होगी। और दोपहर 2 बजे मैहर से कटनी के लिए प्रस्थान। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन के ढांचे को विस्तार देना और महिलाओं को कांग्रेस की रीति नीतियों से जोड़कर आगामी चुनावों के लिए तैयार करना है। ज्ञातब्य है कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा हाल ही में रीना बौरासी सेतिया की नियुक्ति पर मुहर लगाई थी जिसके बाद वे अब प्रदेश भर के जिलों का दौरा कर फीड बैक ले रही हैं।

कार का कांच तोड़कर रूपए ले उड़े बदमाश

कटनी (ब्यूरो)। माधवनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत डेहरू लाईन स्थित शंकर जी के मंदिर के पास शर्मा कालोनी में खड़ी कार का कांच तोड़कर पर्स पार कर दिया। चोरी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक डी 75 समदड़िया कालोनी माधवनगर निवासी विनीता लोहाटे पिता मनीष लोहाटे की कार कॉलोनी के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान अज्ञात व्यक्ति द्वारा कीमती सामान निकालने के ईरादे से कार का कांच तोड़कर गाड़ी के अंदर रखा पर्स पार कर दिया। जिसमे 2 हजार रूपये एवं अन्य चीजे रखी थी। शिकायत पर पुलिस ने धारा 334(1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है।

ससुराल आए युवक का मिला शव, हत्या का संदेह

शरीर में चोट के निशान, जांच में जुटी पुलिस

कटनी (ब्यूरो)। रीठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खम्हरिया में अपनी ससुराल आए एक युवक की संदिग्ध अवस्था में लाश पाए जाने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश बरामद की और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाई। पुलिस का कहना है कि युवक की लाश का पोस्टमार्टम होने और रिर्पोट मिलने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकेगा। प्रथम दृष्टया युवक के शरीर में चोट के निशान होने के कारण पुलिस इसे हत्या ही मानकर चल रही है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद ही इसका खुलासा हो सकेगा कि युवक की मौत कैसे हुई है। रीठी थाना प्रभारी मोहम्मद शाहिद ने जानकारी देते हुए बताया कि विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम परसवाहा निवासी 19 वर्षीय सुनील आदिवासी पिता रमेश आदिवासी की रीठी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम खम्हरिया में शादी होने वाली थी। इसी सिलसिले में वह मंगलवार रात ससुराल पहुंचा था लेकिन बुधवार सुबह उसका शव सुकरत भूमिका के घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। जिससे पूरे गांव में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंचे लोगों ने बताया कि मृतक के गले और शरीर के अन्य हिस्सों पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद से युवती किसी प्रकार की जानकारी देने से बच रही है। रीठी थाना प्रभारी मोहम्मद शाहिद ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। रीठी पुलिस ने मर्ग दर्ज करते हुए जांच प्रारंभ कर दी है।

दो बाइकों की भिड़ंत में एक युवक की मौत

राजगड़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में भोजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पूराबारोल जोड़ के समीप बुधवार की रात दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में एक बाइक चालक 20 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार बुधवार रात ग्राम पूराबारोल जोड़ के समीप तेज रफ्तार दो बाइकें आमने-सामने से भिड़ गई। हादसे में बाइक चालक रोशन तंवर (20) साल निवासी चांदपुर की मौके पर ही मौत हो गई।

घंटाघर मार्ग में चल रहे कार्यों की समीक्षा कर महापौर ने दिए आवश्यक निर्देश

क्षतिपूर्ति वितरण एवं अतिक्रमण कार्यवाही की वर्तमान स्थिति पर हुई विस्तृत चर्चा

जनहित एवं सुगम आवागमन से जुड़े महत्वपूर्ण कार्य को प्राथमिकता से करें पूर्ण - महापौर

कटनी (ब्यूरो)। शहर विकास के महत्वपूर्ण विषय जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा हेतु महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने गुरुवार को निगम अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक लेकर कार्य की विस्तृत समीक्षा की। महापौर श्रीमती सूरी ने मार्ग में अब तक पूर्ण हुए कार्यों, स्थल के प्रगतिरत कार्यों तथा शेष कराए जाने वाले कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सड़क चौड़ीकरण कार्य के तहत नाली निर्माण, विद्युत पोल शिफ्टिंग सहित अन्य आवश्यक कार्य चरणबद्ध रूप से शीघ्र पूर्ण करने की दिशा में सर्वोच्च प्राथमिकता से कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

महापौर श्रीमती सूरी द्वारा बैठक के दौरान जगन्नाथ चौक से घंटाघर मार्ग में पूर्व चिन्हित अतिक्रमण को हटाने हेतु प्रगतिरत कार्यवाही की वर्तमान स्थिति की जानकारी चाही गई। जिस पर अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि अधिकांश अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पूर्ण की जा चुकी है, जबकि शेष प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।साथ ही प्रभावित हितग्राहियों को नियमानुसार क्षतिपूर्ति राशि प्रदान भी कर दी गई है, शेष प्रकरणों पर कार्यवाही प्रगतिरत है जिसे शीघ्र पूर्ण कर लिया जाएगा। महापौर ने शेष लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर भुगतान प्रक्रिया पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा आपसी समन्वय के साथ कार्रवाई समयबद्ध रूप से पूर्ण की जाए। बैठक में महापौर ने न्यायालयीन प्रकरणों की भी समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों की संख्या एवं उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि न्यायालयीन मामलों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कर शीघ्र समाधान की दिशा में कार्य किया जाए, ताकि कार्य की गति प्रभावित न हो। अंत में महापौर श्रीमती सूरी ने समयसीमा पर विशेष बल देते हुए निर्देश दिए कि जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक का संपूर्ण कार्य गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ निर्धारित समयावधि में शीघ्र पूर्ण किया जाए। बैठक के दौरान प्रभारी सहायक यंत्री सुनील सिंह,उपयंत्री मोना करेरा, अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह,विधि प्रभारी वरुणेश मिश्रा, लेखापाल श्रीकांत तिवारी सहित अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति रही।

नो पार्किंग जोन में खड़े 40 वाहनों का कटा चालान

कटनी (ब्यूरो)। यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने एवं आम नागरिकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में कोतवाली पुलिस द्वारा शहर के नो पार्किंग जोन में विशेष अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी राखी पाण्डेय के नेतृत्व में प्रमुख मार्गों, बाजार क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर नो पार्किंग जोन में अवैध रूप से खड़े 40 वाहनों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत चालानी कार्रवाई की गई। कार्रवाई में 20 हजार रूपए समन शुल्क वसूल किया गया। कार्रवाई के दौरान यह पाया गया कि नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के कारण यातायात बाधित हो रहा था, जिससे आमजन को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। पुलिस द्वारा वाहन चालकों को नियमों का पालन करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का उपयोग करने एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूक रहने की समझाइश भी दी गई। थाना कोतवाली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फुटबॉल वितरण कार्यक्रम में जिले 26 विद्यालयों के लगभग 110 प्रतिभागियों ने सहभागिता की

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में गुरूवार को फीफा की पहल से फुटबॉल वितरण कार्यक्रम में जिले 26 विद्यालयों के लगभग 110 प्रतिभागियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयीन स्तर पर खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों को फुटबॉल के प्रति सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुष्पराजगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) वसीम अहमद भट्ट रहे। प्रत्येक विद्यालय से एक शिक्षक एवं एक छात्र अपने-अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व करते हुए फुटबॉल ग्रहण में उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यालयों को फुटवाल वितरण किया गया।

एसडीएम वसीम अहमद भट्ट ने कहा कि फुटबॉल स्वास्थ्य, स्फूर्ति और मानसिक एकाग्रता के लिए अत्यंत लाभकारी खेल है। विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इसके पूर्व विद्यालय के प्राचार्य आशीष शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार हैं। फुटबॉल न केवल शारीरिक तंदुरुस्ती को सुदृढ़ करता है, बल्कि अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास करता है। यद्यपि भारत में क्रिकेट अधिक लोकप्रिय है, किंतु विश्व स्तर पर फुटबॉल सबसे अधिक खेले जाने वाले खेलों में अग्रणी है और लगभग सभी देश इसमें भाग लेते हैं।

फुटवाल वितरण शामिल हुए

फुटवाल वितरण में एकलव्य हायर सेकेंडरी स्कूल अनूपपुर, मॉडल स्कूल अनूपपुर, हायर सेकेंडरी स्कूल अमगवां, हायर सेकेंडरी स्कूल लखौरा, कल्याणिका केंद्रीय शिक्षा निकेतन विद्यालय अमरकंटक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रीड़ा परिसर अमरकंटक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कन्या क्रीड़ा परिसर अमरकंटक सहित जिले के अन्य विद्यालयों ने भाग लिया।

आयोजन में एमओडी अतुल सिंह चौहान,मनोरमा कौशल, प्रीति कोचे, बुशरा अंजुम, कल्पना अग्रवाल, किरण मिश्रा, अर्पिता सिंह, हर्षा मालवी, अंबिका राय, शुभम राय, के. पटेल, भानु प्रताप सिंह, विनोद कुमार चौहान, भूपेंद्र यादव, सदानंद तिवारी, अभिलाष पनिका, अनीश मिश्रा एवं अभिसार पांडेय का सहयोग रहा। संचालन शिक्षक सचिन जाटव एवं शेख वहीद ने किया।

नव सनातन जनकल्याण एवं गौ रक्षा समिति और साई वरदान स्कूल के बच्चों ने किया दयोदय गौशाला का भ्रमण

सागर (ब्यूरो)। नव सनातन जनकल्याण एवं गौ रक्षा समिति तथा साई वरदान जीनियस पब्लिक स्कूल, लक्ष्मी नगर मकरोनिया सागर के विद्यार्थियों ने आज बांदा स्थित दयोदय गौशाला का भ्रमण किया। इस अवसर पर स्कूल संचालिका एवं समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती संध्या दुबे के नेतृत्व में बच्चों को गौशाला ले जाया गया।

श्रीमती संध्या दुबे ने बताया कि वर्तमान समय में गायों की स्थिति पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिससे उनकी दशा दिन-प्रतिदिन चिंताजनक होती जा रही है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में सुधार के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को मिलकर प्रयास करना होगा। विशेष रूप से बच्चों के मन में गाय माता के प्रति प्रेम, सम्मान और सेवा की भावना जागृत करना आवश्यक है, ताकि वे बचपन से ही पशु-पक्षियों के प्रति संवेदनशील बन सकें। गौशाला पहुंचने पर वहां अंकित जैन जी एवं पंडित गजेंद्र मिश्रा जी के नेतृत्व में सभी को गौशाला का निरीक्षण कराया गया। बच्चों ने गायों को चारा खिलाया, उन्हें स्नेहपूर्वक सहलाया और उनकी देखभाल की व्यवस्था को नजदीक से देखा। गौशाला में बीमार और अपाहिज गायों के उपचार की विशेष व्यवस्था भी है, जिसे देखकर सभी ने सराहना की। साथ ही वहां साफ-सफाई, भोजन, पानी और रहने की उत्तम व्यवस्था देखने को मिली।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में गाय माता को सम्मान का स्थान देंगे और उनके संरक्षण व सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में सामाजिक और नैतिक मूल्यों का विकास किया जाएगा।

इस अवसर पर विशेष रूप से सागर से पंडित बृजभूषण दीक्षित जी (संरक्षक), नव सनातन जनकल्याण एवं गौ रक्षा समिति के प्रदेश संयोजक पंडित अवधेश मिश्रा जी, श्रीमती मनीषा बडोनिया, श्रीमती श्वेता कुर्मी, प्रियंका दुबे, श्रीमती रितु शाश्वत, पंडित आशीष दुबे, विश्वजीत राजपूत, पंडित प्रवेश भार्गव (बांदा), चंद्रशेखर, राजकुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं विद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए गौसेवा के इस अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया गया।

धार के पीएम मित्र पार्क के द्वितीय चरण में 7500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित

कुल निवेश 21 हजार 500 करोड़ रुपये के पार, सृजित होंगे 55 हजार रोजगार रोजगार के अवसर

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर संभाग के धार जिले के बदनावर में निर्माणाधीन पीएम मित्र पार्क के द्वितीय चरण के अलॉटमेंट में 13 कंपनियों को 320 एकड़ भूमि आवंटित की गई है, जिनके द्वारा लगभग 7,500 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। इससे 16,000 से अधिक नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति ने गुरुवार को जानकारी देते हुए बताया कि पीएम मित्र पार्क के द्वितीय चरण में भिलोसा इंडस्ट्रीज द्वारा 4,500 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, जिसके लिए 200 एकड़ भूमि आवंटित की जा रही है। इस इकाई से 3,500 नए रोजगार सृजित होंगे। मानव निर्मित धागा (मैन मेड फाइबर) क्षेत्र की अग्रणी कंपनी भिलोसा इंडस्ट्रीज के प्रदेश में आगमन से एमएमएफ उद्योग के विकास का नया अध्याय प्रारंभ होगा।

उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण की पूर्णता के साथ ही पी.एम. मित्र पार्क में कुल 38 कंपनियों से प्राप्त निवेश प्रस्तावों का आंकड़ा 21,500 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। इस निवेश से बदनावर क्षेत्र में लगभग 55,000 रोजगार के अवसर सृजित होंगे। अब तक कुल 1,140 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है तथा शीघ्र ही तृतीय चरण प्रारंभ किया जाएगा। वर्तमान में एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा लीज डीड एवं प्लॉट आधिपत्य की कार्यवाही तीव्र गति से संपादित की जा रही है।

एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक प्रजापति ने बताया कि विगत 30-31 जनवरी को चेन्नई में आयोजित वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के चिंतन शिविर में मध्यप्रदेश के निवेश आकर्षण मॉडल का प्रस्तुतिकरण प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग, राघवेंद्र कुमार सिंह द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित रीजनल, नेशनल एवं इंटरनेशनल रोड शो एवं कॉन्क्लेव मॉडल की अन्य पी.एम. मित्र राज्यों द्वारा सराहना की गई।

उन्होंने बताया कि अगला लक्ष्य पी.एम. मित्र पार्क के आसपास सामाजिक अधोसंरचना का विकास करना है, जिसमें स्कूल, कॉलेज, खेल मैदान, अस्पताल, मनोरंजन केंद्र तथा कर्मचारियों हेतु स्वच्छ, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण आवासीय सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

आशा-उषा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने नए श्रम कानूनों का किया विरोध,प्रदर्शन कर मानदेय बढ़ाने की मांग

अनूपपुर। मध्य प्रदेश के अनूपपुर मुख्यालय में गुरुवार को आशा, उषा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की नई श्रम संहिताओं के विरोध में प्रदर्शन किया।

रेलवे अंडरब्रिज के पास धरना देकर उन्होंने सरकार पर पक्षपात का आरोप लगाया और अपनी मांगों को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। साथ ही चेतवनी देते हुए बताया कि मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

अखिल भारतीय फेडरेशन और सीटू के आह्वान पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने काम बंद रखा। इस हड़ताल में आशा-उषा कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक, आंगनबाड़ी कर्मी और मध्यान्ह भोजन रसोइयां शामिल रहीं। प्रदर्शन के दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने 'पोषण ट्रैकर' और 'संपर्क' ऐप से जुड़ी समस्याएं भी उठाईं। उनका कहना है कि एक ही जानकारी दो बार दर्ज करनी पड़ती है, जिससे काम में ज्यादा समय लगता है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की समस्या के कारण कई बार उन्हें पहाड़ियों या छतों पर चढ़कर डेटा दर्ज करना पड़ता है। तकनीकी दिक्कतों के कारण काम दर्ज न होने पर मानदेय काट लिया जाता है, जिसे कार्यकर्ताओं ने अन्यायपूर्ण बताया। उन्होंने मांग की कि 'संपर्क' ऐप को बंद किया जाए और मानदेय को ऐप से जोड़ने की प्रक्रिया खत्म की जाए।

प्रमुख मांगें

प्रदर्शनकारियों ने श्रम सुधारों को श्रमिक विरोधी बताते हुए उन्हें वापस लेने की मांग की। उनकी प्रमुख मांगों में सभी योजना कर्मियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देना, उचित वेतन तय करना, मध्यान्ह भोजन रसोइयों को 12 महीने का मानदेय देना, सेवानिवृत्ति पर एक लाख रुपये की सहायता और पांच हजार रुपये मासिक पेंशन शामिल है। साथ ही रसोइयों का मानदेय बढ़ाकर चार हजार रुपये करने की भी मांग की गई।

आंदोलन की चेतावनी

हड़ताल के कारण कई टीकाकरण केंद्र, प्रसव सहायता केंद्र और स्कूलों में मध्यान्ह भोजन की व्यवस्था प्रभावित रही। यूनियन नेताओं, जिनमें रेखा कुशवाहा भी शामिल थीं, ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

एमडी ड्रग्स निर्माण व तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, 30 करोड़ का मशरुका बरामद

राजगड़। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान आपरेशन शुद्धि के तहत माचलपुर थाना पुलिस द्वारा 4 फरवरी से 11 फरवरी तक लगातार सिलसिलेवार कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय स्तर पर संचालित एमडी ड्रग्स निर्माण एवं तस्करी नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी ने गुरुवार को पुलिस नियंत्रण कक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में खुलासा करते हुए बताया कि 4 फरवरी को झालावाड़ राजस्थान की विशेष पुलिस टीम की सूचना पर ग्राम गोघटपुर में दबिश दी गई, जहां आरोपित रघुनंदन पाटीदार द्वारा एमडी ड्रग्स निर्माण किया जाना पाया गया। आरोपित अंधेरे का फायदा लेकर फॉर्चयूनर वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से 43 किलो कच्चा माल एवं विभिन्न केमिकल एवं निर्माण उपकरण जब्त किए। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धारा 30 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरु की।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने 7 फरवरी को ग्राम आदमपुरा के जंगल से 5 नीले रंग के प्लास्टिक ड्रम जब्त किए, जिसमें एमडी ड्रग निर्माण मे उपयोग किए जाने वाला 266.9 किलोग्राम केमिकल पाया गया, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 5 करोड़ रुपए है। पुलिस टीम ने 10 फरवरी को सीसीटीव्ही. फुटेज के आधार पर तीन आरोपितों को हिरासत में लिया, जिनमें दिनेश (30)पुत्र कालूलाल गुर्जर, ललित (26)पुत्र भगवानसिंह गुर्जर निवासी बरखेड़ाखुर्द थाना बकानी और रामेश्वर (35) पुत्र कैलाश गुर्जर निवासी कोटरा राड़ी थाना बकानी शामिल है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से वैगनार क्रमांक आरजे 02 सीएफ 2543 जब्त की। पुलिस ने 11 फरवरी को मुखबिर की सूचना पर ग्राम माणा के समीप से आरोपित दीपक गुर्जर (29)साल निवासी ग्राम अरनिया को हिरासत में लिया। पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर घर के रसोईघर में रखे कार्टून से 10.160 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की साथ ही रघुनंदन पाटीदार (34) साल निवासी ग्राम गोघटपुर को बरखेड़ा खुर्द (राजस्थान) से हिरासत में लिया। पुलिस ने रघुनंदन की निशानदेही पर खेत से हरे रंग के कार्टून में रखी 11.350 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जप्त की गई, जिनकी कुल कीमत 21 करोड़ रुपए है। कार्रवाई के दौरान एसआई गुड्डू कुशवाह, राहुल रघुवंशी, धर्मवीर पलैया, अजय यादव, अभयसिंह, जितेन्द्र अजनारे, एएसआई राकेशसिंह, शादाब खान, प्रआर.प्रदीप सोलंकी, दुलीचंद, अवधेश शर्मा, रुपेश बैरागी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

» न्यूज कैप्सूल »

नपा अध्यक्ष ने बुर्जगो से आर्शीबाद लेकर कराया उनका स्वास्थ्य परीक्षण

पिपरिया(ब्यूरो)। नगर पालिका व आयुश विभाग द्वारा न्यू बस स्टेंड स्थित वृद्धाश्रम में निन्शुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर का आयोजप किया गया। जिसमें लगभग 140 व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निन्शुल्क दवा का वितरण किया गया। शिविर का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष नीना नवनीत नागपाल के द्वारा सरस्वती पूजन व वृद्धो से आर्शीबाद लेकर किया गया। नपा अध्यक्ष ने बुर्जगो से आर्शीबाद लेते हुए कहा कि आपके आर्शीबाद से ही हम लोग यहां है और आप लोगो की सेवा कर रहे है। शिविर में डॉ रमाकांत मिश्रा ने व्यक्तियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे नियमित दिनचर्या में योग को शामिल करने का महत्व भी बताया गया। आयुष विभाग की टीम ने शिविर में उपस्थित नागरिकों को आयुष चिकित्सा पद्धतियों की दैनिक जीवन में उपयोगिता और ऋतु अनुसार खानपान बारे विस्तार से बताया। शिविर में विभिन्न रोगों का आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से निन्शुल्क इलाज किया गया और रोगियों को निन्शुल्क औषधियां वितरित की गई। इसके अतिरिक्त शिविर में योग एवं मेडिटेशन और प्राणायाम के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। एवं डॉक्टरो ने शिविर में घरेलू रसोई में पाए जाने वाले मसालों की विभिन्न रोगों में उपयोगिता बारे भी जानकारी दी गई। शिविर में आयुष चिकित्सक डां.संगीता कुर्मी,डांपूजा वासूरे,डां. विमल किशोर यादव,सहायक भीकम सिंह,राजेश कुमार सहित नगर पालिका आरआई रूपेश मौर्य,प्रदीप पटैल, संजय नेमा, रीतेश पांडेय इंजीनियर,वृद्धाश्रम अलकेश तिवारी सहित नगरपालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

एमआर यूनियन दमोह ने निकाली विशाल रैली

दमोह (ब्यूरो)। राष्ट्रव्यापी संगठन एफ्एमआरआई के तत्वाधान में मध्यप्रदेश मेडिकल एंड सेल्स रिप्रेजेंटेटिव यूनियन के द्वारा अपनी मांगों को लेकर विशाल रैली का आयोजन किया गया रैली का आयोजन यूनियन ऑफ्सि से शुरू हो कर घंटाघर चौराहा होते हुए कलेक्टर ऑफ्सि पहुंचे जहां पर कामरेड पंकज कुमार सेन ने सरकार से चारों श्रम संहिता कानून को रदद करने की एसपीईएस कानून 1976 को लागू करने की विभिन्न मांगों को रखा एवं प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंपा। रैली में मुख्य रूप से यूनियन के सदस्य सौरभ खरे सचिव, आशीष पौराणिक कोषाध्यक्ष, अनुपम सोनी, विजय श्रीवास्तब, शफीक खान, विक्रम साहू, रहीम खान, जयकांत दुबे, सुरेंद्र रोहित, पारस जैन, लोकेश सेन, शैलेंद्र सिंह, धर्मेंद्र, दिनेश, हेमंत राठौर, शशि रंजन, मयंक जैन, सतेंद्र कुमार, गणेश पटेल, कमलेश रजक, दीपक कुमार, जगमोहन, संजीव जैन, प्रशांत जैन, नीलेश राजपूत, नीलू वैन, संदीप खरे, अभय खरे, हेमेंद्र मालवीय, साहिब खान, शुभम पांडे, शिव कुमार सोनी, अरुण गुप्ता, करण सिंह, पप्पू कुमार, सौरभ कुमार, वेंकटेश कुमार, प्रभाकर, शिवम कुमार, दीपक कुमार, अनूप आनंद की उपस्थिति रही। रैली के बाद सभी कामरेड का आभार आशीष पौराणिक के द्वारा यूनियन ऑफ्सि पहुंच कर किया गया।

शिवरानी पाण्डेय का 89वां जन्मोत्वसव

दमोह (ब्यूरो)। जिले के शिक्षा विद् पं. स्व. उमाशंकर पाण्डेय ए.डी.आई.एस. की धर्मपत्नी स्वं. श्रीमति शिवरानी पाण्डेय का 89 वां जन्मोत्सव पं. जबाहर लाल नेहरू पार्क में मनाया गया। जन्मोत्सव के उपरांत नगर के वृद्धाश्रम मे वृद्धजनों को फ्ल फूल भेंट किये। इस अवसर ज्येष्ठ सुपुत्र सनील, लोकेश सोनी नोहटा, अरविन्द सोनी, कुलदीप, बबलू पूर्व पार्षद, हरिओम चौबे, मनोज चौबे, दिलीप चौरसिया, संजय चौरसिया आदि ने श्रीमति शिवरानी पाण्डेय की फ्टो पर पुष्प अर्पित किये।

नोहलेश्वर महोत्सव सांस्कृतिक पर्यटन के मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा हैः राज्यमंत्री श्री लोधी

देश के सुप्रसिद्ध गायक कैलाश खैर की स्वरांजलि से गुंजायमान हुआ महोत्सव मस्ती में झूमता दिखा जनसेलाब

दमोह (ब्यूरो)। संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी के मार्गदर्शन में एवं महोत्सव संयोजक सत्येंद्र सिंह के नेतृत्व में आयोजित नोहलेश्वर महोत्सव का छठवां दिन भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक चेतना के अद्भुत संगम से नोहटा सुरों की दिव्य ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। देश के ख्याति प्राप्त गायक कैलाश खैर ने अपनी ओजस्वी एवं मधुर प्रस्तुतियों से हजारों श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।उनके मंच पर आते ही पूरा परिसर तालियों और जयकारों से गूंज उठा। भक्ति गीतों से लेकर लोकप्रिय रचनाओं तक, हर प्रस्तुति ने दर्शकों के हृदय को छू लिया। यह संध्या केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय अस्मिता और सामाजिक एकता का विराट उत्सव बन गई। भजनों की भक्ति-रस में डूबी प्रस्तुति के दौरान मंत्री धर्मेंद्र लोधी स्वयं को रोक नहीं सके और मंच के समीप पहुंचकर कैलाश खेर के भजनों पर भावविभोर होकर नृत्य किया। उनका यह सहज और भक्तिमय अंदाज उपस्थित जनसमूह के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। राज्यमंत्री श्री लोधी ने कहा कि नोहलेश्वर महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक आस्था का जीवंत प्रतीक है। जिस प्रकार क्षेत्र की जनता ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की है, वह यह दर्शाता है कि हमारी जड़ें संस्कृति से कितनी गहराई से जुड़ी हैं। प्रदेश सरकार का संकल्प है कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से ग्रामीण अंचलों की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया जाए। उन्होंने कहा कि नोहटा आज सांस्कृतिक पर्यटन के मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है और भविष्य में यह महोत्सव और अधिक व्यापक स्वरूप में आयोजित किया जाएगा। महोत्सव संयोजक सत्येंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा यह महोत्सव क्षेत्रवासियों की सामूहिक भावना

और सहयोग का परिणाम है। हर व्यवस्था को इस भाव से तैयार किया गया कि यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ एक यादगार अनुभव लेकर जाए। कैलाश खैर जी की प्रस्तुति ने नोहलेश्वर धाम की गरिमा को नई ऊंचाई प्रदान की है। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों, जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी जबेरा विधानसभा क्षेत्र में ऐसे भव्य सांस्कृतिक आयोजन निरंतर होते रहेंगे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व वित्तमंत्री एवं दमोह विधायक जयंत कुमार मलैया, पूर्व मंत्री एवं पाटन विधायक अजय विश्नोई, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव पटेल, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राघवेंद्र सिंह तथा अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अंत में आयोजन समिति ने सभी क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया, जिनकी सहभागिता और एकजुटता से यह छठवां दिवस ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बन गया। मेले का आयोजन माँ पीतांबरा जन सेवा समिति भोपाल के तत्वावधान में किया जा रहा है।

13 फ्रवरी को नोहटा में भव्य किसान सम्मेलन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेगे सहभागिता-

प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने बताया जबेरा विधानसभा क्षेत्र के लिए 13 फ्रवरी का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण होने जा रहा है। नोहलेश्वर महोत्सव और किसान सम्मेलन आयोजन न केवल जबेरा विधानसभा की प्रतिष्ठा को बढ़ाएगा, बल्कि किसान भाइयों के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध होगा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 फ्रवरी, शुक्रवार को अपरान्ह 1 बजे नोहटा की पावन धरा पर आयोजित नोहलेश्वर महोत्सव के अंतर्गत भव्य किसान सम्मेलन में सहभागिता करेंगे। राज्यमंत्री श्री लोधी ने बताया मुख्यमंत्री का आगमन क्षेत्र के लिए सम्मान का विषय है। किसान सम्मेलन के माध्यम से किसानों से संवाद स्थापित किया जाएगा और उनके हितों से जुड़े विषयों पर चर्चा की जाएगी।उन्होंने सभी किसान भाइयों, माताओं-बहनों, युवाओं एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफ्ल एवं भव्य बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा जनसहभागिता ही किसी भी आयोजन की वास्तविक शक्ति होती है। राज्यमंत्री श्री लोधी ने क्षेत्रवासियों से आह्वान किया कि वे इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें और जबेरा विधानसभा के विकास की नई दिशा में सहभागी बनें।

ऊमरवाले दादाशिव मंदिर में 18 वां सामूहिक विवाह संपन्न

51जोडे परिणय सूत्र में बंधे

पिपरिया (ब्यूरो)। ऊमर वाले दादा शिव मंदिर मे प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के अवसर पर 51जोडे परिणय सूत्र में बंधे। ऊमरवाले दादाशिव मंदिर समिति के सदस्यो द्वारा पिछले कई वर्षो से सेवा गतिविधियो में अपनी अहम भूमिका निभाई जा रही है। इसी तारतम्य मे समिति द्वारा पिछले 18 वर्षो से सामूहिक विवाह का आयोजन किया जा रहा है। सामूहिक विवाह में 51जोडे परिणय सूत्र मे बंधे जिन्हे दहेज के रूप मे समिति द्वारा व शहर के नागरिको के सहयोग से घर गृहस्थी की भरपूर सामग्री उपहार के रूप मे दी। इस अवसर पर सीमेंट रोड स्थित मंदिर से वर की निकासी शोभायात्रा के रूप में वग्गी में बैठालकर निकाली गई। बारातियो में विशेष ही उत्साह था। नाचते गाते झूमते आतिशबाजी के साथ बारात सीमेंट रोड,पुराना गल्ला बाजार,मंगलवारा चौराहा,मंगलवारा बाजार,शोभापुर रोड होते हुए ऊमरवाले दादाशिवमंदिर के पास जीन मे कार्यक्रम स्थल पर बारात पहुंची। जहां वर व बारातियो का स्वागत ऊमरवाले दादा समिति द्वारा किया गया। वरमाला कार्यक्रम के पूर्व बच्चो द्वारा खुशी के अवसर पर सुंदर सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई।

कार्यक्रम की विशेषताये- ऊमरवाले दादाशिवमंदिर समिति द्वारा प्रतिवर्ष सामूहिक विवाह कार्यक्र म में समिति के सदस्य उन पुत्र व पुत्रियो का विवाह करवाते है जो आर्थिक रूप से कमजोर रहते है। समिति के सदस्य सर्वप्रथम ऐसे परिजनो से आवेदन लेते है व स्थल पर पहुंच पूरी जांच पडताल करने के बाद वैवाहिक कार्यक्रम मे भाग लेने हेतु आमंत्रित करते है। यदि कोई परिवार आर्थिक रूप से संपन्न होता है तो वह ऐसे जोडो को इस विवाह कार्यक्रम से दूर कर जरूरतमंदो को ही मौका देते है। इसी का परिणाम है कि आज भी समिति की विश्वसनीयता दूर दूर तक है। कार्यक्रम का संचालन गिरधर मल्ल ने किया।

दमोह के प्रियदर्शन दुबे पीडब्ल्यूडी में एसडीओ पद पर चयनित

दमोह (ब्यूरो)। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित राज्य अभियंत्रिकी सेवा परीक्षा 2024 में श्री प्रियदर्शन दुबे ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय रैंक प्राप्त की है। चयन उपरांत उनका नियुक्ति आदेश लोक निर्माण विभाग मध्य प्रदेश में एसडीओ पद पर हुआ है। श्री दुबे का यह चयन उनकी सतत मेहनत, तकनीकी दक्षता एवं प्रशासनिक अनुभव का परिणाम है। इससे पूर्व वे झारखंड राज्य के देवघर (बैद्यनाथ धाम) जिले में सिंचाई विभाग में तीन वर्षों तक एसडीओ के रूप में कार्यरत रहे, इसके अतिरिक्त, उन्होंने रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत सीमा सड़क संगठन (ठत्व) में जूनियर इंजीनियर सिविल के रूप मैं आठ माह तक सेवाएं प्रदान कीं। उनकी इस उल्लेखनीय सफ्लता पर परिवारजनों, गुरुओं एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

ईको क्लब के अंतर्गत विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी परियोजना का आयोजन

दमोह (ब्यूरो)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, ज्ञानचंद्र श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय दमोह में ईको क्लब के अंतर्गत विज्ञान मॉडल प्रदर्शनी/परियोजना का आयोजन दिनांक 11 फ्रवरी 2026 को किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ. शमा जे. पी. खानम (प्रोफेसर, एकलव्य विश्वविद्यालय, दमोह) तथा निर्णायक टीम में डॉ. संध्या पिंपलापुरे (प्रोफेसर- रसायन शास्त्र) एवं डॉ. एन. आर. सुमन (भ्व्क, वनस्पति शास्त्र विभाग) रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ꕷपर्यावरण हितैषी जीवन शैली अपनानाꕷ एवं पर्यावरण संरक्षण था। प्रदर्शनी/ परियोजना कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. पी. के. जैन के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में संपन्न हुए। कार्यक्रम में चलित एवं अचलित विज्ञान मॉडलों का प्रदर्शनी एवं परियोजना के तहत बीज बैंक संरक्षण, महाविद्यालय के नए भवन के डी.ई.एफ कक्ष में लगाया गया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. मीरा माधुरी महंत ने ईको क्लब के उद्देश्य एवं रूपरेखा प्रस्तुत किया। डॉ. जैन के द्वारा हरित शपथ कराया गया, विशिष्ट अथिति डॉ. खानम द्वारा पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन हेतु छात्र छात्राओं को अपना वक्तव्य दिए, साथ ही बताया कि पर्यावरण के प्रदूषित होने से आज मानव किसी न किसी भयंकर बीमारी से ग्रसित हो रहा है। इसी क्रम में अपने वक्तव्य में डॉ. सुमन ने बताया कि पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होना अति आवश्यक है। निर्णायक टीम द्वारा चलित मॉडलों के परिणाम में शालू विश्वकर्मा प्रथम, उर्वसी वेद द्वितीय, स्नेहा परवीन तृतीय, रिया रोहितास व शिवानी आठ्या को सांत्वना तथा नॉनवर्किंग मॉडलों में देवी यादव प्रथम, अनामिका यादव द्वितीय, महिमा चौधरी तृतीय स्थान, दीपक अहीरवाल व अभिलाषा कुर्मी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसी तरह परियोजना (बीज बैंक, ऑर्गेनिक कलर बनाना एवं जैव विविधता) में ऋषिता खरे प्रथम, गौरी तिवारी द्वितीय, पूर्वा ठाकुर तृतीय स्थान, रक्षा तिवारी व वर्षा दुबे ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किए। सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को टी शर्ट, ट्रॉफी तथा मैडल से पुरस्कृत किए गए।

भव्य कलश यात्रा के साथ शिव पुराण का हुआ शुभारंभ

भगवान शिव एवं माता पार्वती की गणेश जी ने परिक्रमा कर प्रथम पूजा का अधिकार प्राप्त कर लिया-पंडित गोपाल कृष्ण तिवारी

पिपरिया (ब्यूरो)। गांधी वार्ड पाली रोड स्थित अर्धनारीश्वर महादेव मंदिर में संगीतमय शिव महापुराण कथा एवं ज्ञान यज्ञ का आयोजन नायक परिवार द्वारा कराया जा रहा है जिसमें व्यास पीठ से प्रसिद्ध वक्ता पंडित गोपाल कृष्ण तिवारी जी ज्ञान यज्ञ की गंगा बहा रहे हैं कथा के प्रथम दिवस पंडित तिवारी ने सब देवों में प्रथम पूजन गणेश जी के वृतांत से कथा श्रवण करने आए श्रद्धालु भक्त जनों एवं धर्म स्वालंबियों को कथा का रसपान कराया।

उन्होंने कथा श्रवण करने आए श्रद्धालु भक्त जनों को कथा का रसपान कराते हुए बताया कि भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की गणेश जी ने परिक्रमा कर प्रथम पूजा का अधिकार प्राप्त कर लिया उन्होंने कथा श्रवण करने आए श्रद्धालु भक्त जनों को कथा श्रवण पान कराते हुए बताया कि शिवमहापुराण मैं चौबीस हजार श्लोक है जो सात संहिताओं में समाहित है। शौनक जी महाराज ने सूत जी महाराज से पूछा शिव कौन है इस विषय पर अपने मुखारबिंद से सारगर्भित कथाओं से श्रोताओं को श्रवण पान कराया।कार्यक्रम की शुरुआत महाकाली मंदिर में पूजन अर्चन के बाद शोभा यात्रा निकाली गई शोभायात्रा में महिलाऐ आकर्षक वेशभूषा में शोभा यात्रा में कलश लेकर नृत्य करती चल रही थी शोभा यात्रा का स्वागत पार्षद सरस्वती मनोज कोरी सहित पटेल परिवार ,आरसे परिवार, ग्यारसे परिवार, वर्मा परिवार, यादव परिवार, सोनवंशी परिवार द्वारा किया गया।जगह - जगह गांधी वार्ड वासियों द्वारा जलपान,स्वल्पाहार,पुष्प वर्षा की गई राजनीतिक, सामाजिक संगठनों के अलावा बाहर से आए हुए श्रद्धालु भक्तों ने शिवमहापुराण की आरती पूजन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेः राज्यमंत्री पंवार

राजगढ़। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे,गर्मी के मौसम में आमजन को पानी की कमी का सामना न करना पड़े। यह बात प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार ने गुरुवार को जनपद पंचायत ब्यावरा में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान कही। समीक्षा बैठक में राज्यमंत्री पंवार ने क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की प्रगति तथा जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि निर्माणाधीन एवं प्रस्तावित विकास कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होना चाहिए। ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए मंत्री पंवार ने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम में किसी भी नागरिक को पानी की कमी का सामना न करना पड़े। उन्होंने जलस्त्रोतों की वर्तमान स्थिति, टंकियों की साफ-सफाई, पाईपलाइन की मरम्मत, हैंडपंपों की कार्यशीलता तथा आवश्यकतानुसार टेंकर व्यवस्था की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की सतत मॉनिटरिंग की जाए। पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नही की जाएगी। राज्यमंत्री पंवार ने शिक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की, उन्होंने विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं जिसमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली, कक्षाओं की स्थिति एवं बैठने की व्यवस्था की जानकारी ली। बैठक में जनपद अध्यक्ष राधा जगदीश गुर्जर, जनपद सीईओ आरके.मंडल, एसडीएम गोविंदकुमार दुबे, जनपद सदस्य सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

भोपाल में बनेगा 'डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर', युवाओं को मिलेगी अंतरिक्ष विज्ञान की ट्रेनिंग

राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन को सौंपा प्रस्ताव, पीएम जन विकास कार्यक्रम के तहत तकनीकी व वित्तीय सहयोग का अनुरोध

भोपाल। प्रदेश के युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन से मुलाकात कर भोपाल में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर स्थापित करने का प्रस्ताव सौंपा। यह केंद्र मध्यप्रदेश का पहला ऐसा स्पेस सेंटर होगा, जहां विद्यार्थियों और युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी आधुनिक तकनीकों की प्रशिक्षण सुविधा मिल सकेगी।

राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने बताया कि यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (पीएमजेवीके) के अंतर्गत तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में शिक्षा, कौशल विकास और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से भोपाल में स्थापित होने वाला यह स्पेस सेंटर प्रदेश के युवाओं के लिए एक नया अवसर लेकर आएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी सोच के तहत इस सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव तैयार किया गया है, ताकि

विद्यार्थी अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित कर सकें और भविष्य में इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकें।

प्रस्तावित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम सिम्युलेटरी स्पेस सेंटर के माध्यम से छात्रों और युवाओं को खगोल विज्ञान, उपग्रह तकनीक, अंतरिक्ष अनुसंधान और वैज्ञानिक प्रयोगों की जानकारी दी जाएगी। यहां आधुनिक सिम्युलेशन तकनीकों के जरिए विद्यार्थियों को अंतरिक्ष मिशनों की कार्यप्रणाली समझने का अवसर मिलेगा। इससे उनकी वैज्ञानिक सोच और तकनीकी समझ विकसित होगी।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने बताया कि यह केंद्र न केवल छात्रों के लिए प्रशिक्षण का माध्यम बनेगा, बल्कि उन्हें विज्ञान के क्षेत्र में नए प्रयोग करने और अनुसंधान के प्रति प्रेरित भी करेगा। इससे प्रदेश के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने का मौका मिलेगा।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन से इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए तकनीकी सहयोग और वित्तीय सहायता प्रदान करने का अनुरोध किया, ताकि इस योजना को जल्द से जल्द जमीन पर उतारा जा सके। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार के सहयोग से यह स्पेस सेंटर प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा।

श्रीमती गौर ने कहा कि यह पहल विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में भी सहायक सिद्ध होगी। विज्ञान आधारित शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाकर प्रदेश को तकनीकी रूप से आगे बढ़ाया जा सकेगा। यदि यह केंद्र स्थापित होता है, तो भोपाल देश के उन चुनिंदा शहरों में शामिल हो जाएगा जहां विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान की आधुनिक ट्रेनिंग उपलब्ध होगी।

यह प्रस्ताव प्रदेश के शिक्षा और तकनीकी विकास के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले समय में युवाओं को नए अवसर मिलेंगे और मध्यप्रदेश विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में नई पहचान बना सकेगा।

ब्रीफ न्यूज

राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के ससम्मान गायन को मध्यप्रदेश में लागू करेगी राज्य सरकार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वंदे मातरम् के छह छंदों का गायन लागू करना प्रधानमंत्री श्री मोदी की अभूतपूर्व पहल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रगान जन- गण-मन से पहले सभी कार्यालयों और स्कूलों में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के छह छंदों के गायन का निर्णय लिया है। यह अत्यंत सराहनीय एवं अभूतपूर्व पहल है। इसके जरिए पूरा देश अमर शहीदों के बलिदान को स्मरण करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में हमारे वीर सेनानियों ने वंदे मातरम् गाते हुए स्वयं को देश के लिए बलिदान कर दिया। मध्यप्रदेश सरकार, केंद्र सरकार के इस निर्णय के साथ खड़ी है और वंदे मातरम् गायन के निर्णय को त्वरित रूप से प्रदेश में लागू कर रही है।

आचार्य श्री संतोषदास जी (सतुआ बाबा) का उप मुख्यमंत्री ने किया आत्मीय स्वागत व अभिनंदन

भोपाल। महामंडलेश्वर काशी पीठ आचार्य श्री संतोषदास जी (सतुआ बाबा) का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने अपने अमहिया (रीवा) निवास में आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य जी का सानिध्य एवं आशीर्वाद सदैव समाज को आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक दिशा प्रदान करता है। उप मुख्यमंत्री ने श्री सतुआ बाबा के साथ ईको पार्क स्थित कुंडलेश्वर मंदिर में भगवान आशुतोष का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आचार्य जी को ईको पार्क की प्राकृतिक सुंदरता का अवलोकन कराया जिसकी संत श्री ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

पद्मश्री सत्येंद्र सिंह लोहिया ने रचा इतिहास

कुक स्ट्रेट पार करने वाले एशिया के पहले दिव्यांग तैराक बने

भोपाल। मध्यप्रदेश के गौरव, पद्मश्री सम्मानित अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया ने विश्व की सबसे कठिन समुद्री तैराकियों में से एक न्यूज़ीलैंड के कुक स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर इतिहास रच दिया। वे इस चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्ग को पार करने वाले एशिया के पहले दिव्यांग तैराक बन गए हैं। तैराक श्री लोहिया 18 जनवरी 2026 से न्यूज़ीलैंड में इस अभियान की तैयारी कर रहे थे और लगातार ठंडे पानी में कठिन अभ्यास व अक्लिमेटाइजेशन कर रहे थे। 28 जनवरी को उनका पहला प्रयास खराब मौसम के कारण रोकना पड़ा था। उन्होंने हार नहीं मानी और पुनः तैयारी कर निर्धारित दिनांक 12 फरवरी को अदम्य साहस और आत्मविश्वास के साथ चुनौती स्वीकार की। तैराकी के दौरान उन्हें अत्यंत ठंडे पानी, तेज़ समुद्री धाराओं और प्रतिकूल मौसम जैसी कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, फिर भी उन्होंने दृढ़ संकल्प के बल पर लक्ष्य हासिल किया। 70 प्रतिशत दिव्यांग और व्हीलचेयर बाउंड होने के बावजूद उनकी यह उपलब्धि अदम्य इच्छाशक्ति और संघर्ष की मिसाल बन गई है।

तैराक श्री लोहिया ने अपनी सफलता का श्रेय न्यूज़ीलैंड के अपने तैराक साथियों, पायलट फिलिप्स तथा सहयोगी मुजीब खान को दिया, जिन्होंने पूरे प्रशिक्षण और प्रयास के दौरान उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश और पूरे भारत की विजय है। यह विजय संदेश देती है कि संकल्प, साहस और निरंतर प्रयास से कोई भी असंभव लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ में विद्यार्थियों का होगा वैचारिक मंथन

भोपाल। पंडित कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ द्वारा 13 फरवरी, 2026 को भोपाल के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए क्या एसआईआर लोकतंत्र के हित में है? विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता संसदीय विद्यापीठ के सभागार, विंध्याचल भवन (भूतल), भारतीय स्टेट बैंक के पास, भोपाल में आयोजित होगी। वाद-विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रातः 10¬45 बजे सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया जाएगा। मुख्य अतिथि श्री किशन सूर्यवंशी, अध्यक्ष, नगर निगम, भोपाल प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे। आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं समसामयिक विषयों पर तार्किक अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करना है।

भावान्तर योजना से लाभान्वित किसानों ने कृषि मंत्री श्री कंषाना का किया आभार व्यक्त

भोपाल। किसान कल्याण एवं कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना का देवास जिले की तहसील कन्नौज के ग्राम ननासा में भावान्तर भुगतान योजना से लाभान्वित किसानों ने स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

कृषि मंत्री श्री कंषाना ने किसानों से संवाद करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। भावान्तर योजना किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने की दिशा में एक प्रभावी कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिये अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही है, जिनका सीधा लाभ किसानों तक पहुँच रहा है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

एम.पी. ट्रांसको के 220 केवी विदिशा सबस्टेशन पर हुई सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला

भोपाल। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत विदिशा जिले के 220 केवी विदिशा सबस्टेशन पर सुरक्षा एवं सबस्टेशन संचालन से संबंधित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधीक्षण अभियंता श्री शेखर फटाले एवं कार्यपालन अभियंता श्री संजय श्रीवास्तव ने सबस्टेशन मेंटेनेंस एवं आपरेशन कार्यों के दौरान अपनाई जाने वाली आवश्यक सुरक्षा प्रक्रियाओं को बिंदुवार समझाया।

सुरक्षित एवं व्यवहारिक कार्य प्रणाली पर दिया जोर

कार्यशाला में कार्यस्थल पर लापरवाही रोकने के महत्व पर विशेष जोर देते हुए दुर्घटनाओं से बचाव के लिये व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी, जिससे कार्मिकों एवं उपकरणों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। एम.पी. ट्रांसको की जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी के अंतर्गत निर्धारित स्टेंडर्ड आपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) एवं सेफ्टी प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने पर बल दिया गया। इस कार्यशाला में सबस्टेशन के अभियंता एवं नियमित व आउटसोर्स तकनीकी कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता की। प्रतिभागियों को सुरक्षित कार्य पद्धतियों, सुरक्षा उपकरणों के उपयोग तथा निर्बाध एवं सुरक्षित विद्युत पारेषण बनाए रखने के लिये समन्वित टीमवर्क के प्रति जागरूक भी किया गया।

मध्यप्रदेश पुलिस की अवैध मादक पदार्थ के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई

21 करोड़ 97 लाख से अधिक के मादक पदार्थ जब्त

राजगढ़ एवं नीमच जिले में अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्सएवं हरे अफीम के पौधे जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में मादक पदार्थों के अवैध निर्माण, तस्करी एवं खेती के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी कार्यवाही के परिणामस्वरूप राजगढ़ एवं नीमच जिले में की गई दो अलग-अलग बड़ी कार्रवाइयों में पुलिस ने 21 करोड़ 97 लाख रूपए से अधिक के मादक पदार्थ (एमडी ड्रग्स एवं अफीम के पौधे) जब्त किए है।

जिले की पुलिस चौकी जाट को 11 फरवरी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्रामलुहारिया जाटमें कपास की फसल की आड़ में अवैध अफीम की खेती की जा रही है। सूचना पर पुलिस द्वारा तकनीकी साधनों एवं ड्रोन सर्चिंग के माध्यम से पुष्टि कर कार्रवाई की गई।पुलिस टीम द्वारा मौके से 11,600 नग हरे पौधे (कुल वजन 09 क्विंटल 76 किलोग्राम) अफीम के पौधे जब्त किए गए। कुल बरामद किए गए है। जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 97 लाख 60 हजार रुपयेहै। आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जिले की राजगढ़ पुलिस दो अलग-अलग कार्यवाही में एमडी ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना माचलपुर पुलिस ने 11 फरवरी को मुखबिर की सूचना पर ग्राम माणा के पास से आरोपी को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपने घर ग्राम अरनिया में एमडी ड्रग्स छिपाकर रखने की जानकारी दी।आरोपी के घर की तलाशी लेने पर पुलिस ने किचन में रखे कार्टून से 10.160 किलोग्राम एमडी ड्रग्स कीमत लगभग 10 करोड़ रूपएजब्त की।

आरोपी की निशानदेही पर एक अन्य कार्रवाई में सहआरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। उसके द्वारा खेत में छिपाकर रखे गए मादक पदार्थ की जानकारी देने पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सरसों के खेत में हरे रंग के कार्टून से 11.350 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की है।दोनों कार्रवाई में पुलिस ने कुल 21.510 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जप्त की है, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 21 करोड़ रूपए आंकी गई है। इन कार्रवाइयों से स्पष्ट है कि मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध लगातार निगरानी रखते हुए सुनियोजित, सख्त और निरंतर कार्रवाई की जा रही है। नशा तस्करी चाहे किसी भी स्वरूप या स्तर पर हो, उसके विरुद्ध कड़े कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखा जा सके।

विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक दायित्वों का निर्वहन एवं संगठनात्मक कौशल का किया जाएगा विकास

भोपाल। प्रदेश की राष्ट्रीय सेवा योजना युक्त संस्थाओं/शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सामाजिक दायित्वों के निर्वहन एवं संगठनात्मक कौशल विकसित करने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 8 मार्च से सतना जिले के चित्रकूट में आयोजित किया जाएगा। प्रदेश में शिविर की तैयारियां भी प्रारंभ कर दी गई हैं। इस संबंध में सभी संबंधित रासेयो युक्त विश्वविद्यालयों के कुलसचिव, कार्यक्रम समन्वयकों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा विभाग श्री अनुपम राजन ने बताया कि उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना का राज्य स्तरीय नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर चित्रकूट जिला सतना में लगाया जाएगा। यह 8 मार्च से प्रारंभ होकर 14 मार्च तक चलेगा। इस संबंध में विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों को विद्यार्थियों के पंजीयन के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए जा चुके हैं। शिविर प्रदेश के युवाओं को नेतृत्व विकास, सामाजिक सहभागिता और संगठनात्मक कौशल के प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। साथ ही विद्यार्थियों को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

भारतीय पत्रकारिता के अबूझ पहलुओं की महागाथा है समग्र भारतीय पत्रकारिता

भोपाल। भारत में पत्रकारिता ने 246 साल की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर ली है। यह यात्रा नव जागरण आंदोलन के साथ-साथ चली है। इस यात्रा में राष्ट्रीयता के अनेक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। ज्ञान तीर्थ सप्रे संग्रहालय के तत्वावधान में श्री विजयदत्त श्रीधर ने भारतीय पत्रकारिता के तमाम अबूझ पहलुओं की महागाथा 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' का दस्तावेजीकरण किया है। 'समग्र भारतीय पत्रकारिता' ग्रंथ के तीन भाग हैं—पहली सदी ¬ 1780-1880, तिलक युग ¬ 1881-1920 और गांधी युग ¬ 1921-1948, तीसरे भाग में आजादी के बाद प्रकाशित प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं का परिशिष्ट जोड़ा गया है। विषय की व्यापकता, तथ्यों की प्रामाणिकता तथा भारतीय भाषाओं के बीच संवेदना की एकात्मता की दृष्टि से यह अनूठा ग्रंथ है।

'समग्र भारतीय पत्रकारिता' ग्रंथ का विमोचन शुक्रवार, 13 फरवरी को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली में मूर्धन्य संपादक त्रय श्री हरिवंश, श्री रामबहादुर राय और श्री अच्युतानंद मिश्र करेंगे। भारतीय पत्रकारिता की इस महागाथा का महत्व इन सारगर्भित टिप्पणियों से समझा जा सकता है।

भारतीय ज्ञान परंपरा के चिंतक, लेखक और संपादक श्री रामबहादुर राय ने पुस्तक के बारे में कहा है कि हिन्दी में भारतीय पत्रकारिता का यह पहला संदर्भ ग्रंथ है। इसे पत्रकारिता का पुराण भी माना जा सकता है। ऐसा पुराण जिसमें कथा तो है किंतु काल्पनिकता की जगह यथार्थपरक घटनाएँ हैं।

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादकः ज्ञान सिंह बघेल।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), फोन: 9131883521, ई-मेल: janjanjagran@gmail.com **आर.एन.आई.नं. 58842/94**